



कमोडिटी डेटा फर्म Kpler के अनुसार, अगस्त में तुर्की ने भारत से हर दिन 1,20,000 बैरल (bpd) से ज्यादा डीजल का आयात किया जबकि अमेरिका से आयात लगभग 90,000 bpd रहा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक Kpler के 2017 से अब तक के डेटा में ये दोनों ही सबसे ज्यादा मासिक स्तर थे।

साहिल 18 सितंबर को अपने हॉस्टल के कमरे में मृत पाए गए थे। उनके पिता रवींद्र वाकोडे ने कहा, मैंने उससे कहा कि आईआरटी में एडमिशन मिलना मुश्किल है और उसे इसे बदलकर चाहिए।

मां सोनाली वाकोडे ने प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला की तुरंत गिरफ्तारी के तौर पर हमने अपने बच्चे को मानसिक सहायता दिया। क्या यह कोई गलती है?

उसे इसे बदलकर करने को कहा। साहिल के पिता - पिता ने कहा, डूला मेरे बेटे के साथ जाति के आधार पर भेदभाव करते थे। मेरे बेटे ने पहले भी इस भेदभाव के बारे

है दिल्ली / जीनएएस। पाकिस्तान का अहम साझेदारी तुर्किये डीजल को लेकर भारत पर निर्भर है। ऐसा हम नहीं बल्कि ताजा आंकड़े कह रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार तुर्किये ने अगस्त में भारत से रिकॉर्ड डीजल की खरीद की। मीडिल ईस्ट संकट और रूस से सप्लाई घटने की वजह से भारत तुर्किये के लिए इंधन का एक अहम विकल्प बनकर उभरा है। यह वही तुर्किये है जो हर मुद्दे पर भारत का विरोध करता है और पाकिस्तान का सपोर्ट करता है। लेकिन आज आलम यह है कि उसे अपनी डीजल की जरूरत को पूरा करने के लिए भारत पर निर्भर बन पड़ रहा है। तुर्किये अपनी जरूरत को अधिकतर डीजल रूस से खरीदते हैं। लेकिन रूस से सप्लाई घटने के बाद उसने भारत की ओर रुख किया और अगस्त में भारतीय डीजल का तुर्की का आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

कर्मांडी डेटा डीप Kpler के अनुसार, अगस्त में तुर्की ने भारत से हर दिन 1,20,000 बैरल (bpd) से ज्यादा डीजल का आयात किया जबकि अमेरिका से आयात लगभग 90,000 bpd रहा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक Kpler के 2017 से अब तक के डेटा में ये दोनों ही सबसे ज्यादा मासिक स्तर थे।

वड़नगर से वाराणसी जा रही सेवा यात्रा का इंदौर में आत्मीय स्वागत

बाइक सवार यात्रियों का जगह-जगह मंचों से स्वागत, विकसित और आत्मनिर्भर भारत का संदेश लेकर आगे बढ़ रही यात्रा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवक के रूप में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत वड़नगर से वाराणसी तक निकाली जा रही सेवा यात्रा मंगलवार को इंदौर पहुंची। यात्रा के शहर में प्रवेश पर विभिन्न स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने बाइक सवार यात्रियों का पुष्पमाला, अंगवस्त्र और पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

सिरपुर में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने सेवा यात्रियों का स्वागत किया। इसके बाद विजयवर्गीय और मिश्रा भी बाइक पर यात्रियों के साथ चंदन नगर चौराहे तक पहुंचे, जहां यात्रा का स्वागत किया गया।

चंदन नगर चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को सशक्त रा



के रूप में स्थापित करने का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है और सेवा यात्रा के माध्यम से युवाओं द्वारा विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत का संदेश गांव-गांव और घर-घर पहुंचाया जा रहा है। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि वड़नगर से उनकी कर्मभूमि वाराणसी तक

यह सेवा यात्रा उनके 25 वर्षों की ज न स े व ा , ज न न क ल्या ण , सुशासन और उपलब्धियों का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकाली जा रही है। उन्होंने बताया कि रूट नंबर एक की यात्रा इंदौर पहुंची,

जिसमें 35 यात्री शामिल हैं। सेवा यात्रियों ने लाबरिया भेरू चौराहे स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक किया। इस दौरान 'हर हर मोदी, घर घर मोदी' के नारे भी लगाए गए। कार्यक्रम में विधायक रमेश मेंदोला, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष सौगत मिश्रा, भारत पारक, मीडिया प्रभारी वरुण पाल, मोर्चा महामंत्री धीरज ठाकुर, निक्की राय, अमित पालीवाल सहित बड़ी संख्या में

कार्यकर्ता मौजूद रहे। यात्रा के दौरान शहर के विभिन्न चौराहों पर कार्यकर्ताओं ने मंच लगाकर सेवा यात्रियों का स्वागत किया। महतूका चौराहे पर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक चार के कार्यकर्ताओं ने विधायक मालिनी लक्ष्मणसिंह गौड़ के नेतृत्व में स्वागत किया। कलेक्टर कार्यालय चौराहे पर विधायक रमेश मेंदोला के नेतृत्व में पुष्पवर्षा, रंग-बिरंगी कतरनों और बबल मशीन के जरिए यात्रियों का अभिनंदन किया गया। जबरन कॉलोनी चौराहे पर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक तीन के कार्यकर्ताओं ने विधायक गोल्डू शुक्ला के मार्गदर्शन में स्वागत किया। संधी कॉलोनी में पंकज कतेहचंदानी, भंवरकुआं में विधायक मधु वर्मा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में पार्षद सुनील हार्डिया और रितेश वीरंग, तीन इमली चौराहे पर भाजपा नगर अध्यक्ष और विधायक गोल्डू शुक्ला के नेतृत्व में मेहुल हार्डिया और नयन सोनी, पालदा चौराहे पर विधायक महेंद्र हार्डिया तथा देवगुराड़िया और

रुद्र स्पोर्ट्स रायफल शूटिंग अकैडमी का भव्य शुभारंभ



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल कॉलेज परिसर में रुद्र स्पोर्ट्स रायफल शूटिंग अकैडमी का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम मध्यप्रदेश ओलम्पिक संघ एवं मध्यप्रदेश स्टेट

रायफल संघ के अध्यक्ष श्री रमेश जी मेंदोला के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस अवसर पर ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल कॉलेज के संस्थापक श्री अश्वय तिवारी एवं पैरा अंतरराष्ट्रीय शूटर श्री महेंद्र सिंह रघुवंशी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में रुद्र स्पोर्ट्स के संस्थापक हर्ष कुशवाहा एवं प्रशिक्षक सौरभ देवड़े ने अतिथियों का स्वागत किया। शुभारंभ अवसर पर अतिथियों ने स्वयं रायफल से निशाना साधकर शूटिंग का अनुभव लिया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में शूटर, उनके अभिभावक एवं खेलप्रेमी मौजूद रहे। वहीं ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल कॉलेज एवं स्कूल के सैकड़ों विद्यार्थियों ने शूटिंग रेंज का भ्रमण किया और रायफल एवं पिस्टल शूटिंग में निशाना साधकर इस खेल का अनुभव प्राप्त किया।

साथ ही कॉलेज के डायरेक्टर एवं प्रिंसिपल सहित स्टाफ ने भी शूटिंग के खेल का अनुभव प्राप्त किया।

अकैडमी का उद्देश्य युवाओं और विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं अनुशासित वातावरण में रायफल एवं पिस्टल शूटिंग का प्रशिक्षण उपलब्ध कराना तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। शुभारंभ समारोह में शूटिंग खेल के प्रति विद्यार्थियों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

जनसुनवाई में 51 आवेदन प्राप्त, आयुक्त ने त्वरित निराकरण के लिए निर्देश



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम मुख्यालय में मंगलवार को आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने नागरिकों की समस्याओं और

शिकायतों को स्वयं सुना तथा संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में राजस्व, मार्केट, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य, रिमूवल्स, सीवरेज, जनकार्य सहित विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 51 आवेदन नागरिकों ने प्रस्तुत किए। आयुक्त ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रकरण प्रेषित किए और आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में उपस्थित अपर आयुक्त, आयुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री एवं संबंधित विभाग प्रमुखों को आयुक्त ने निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

नो कार डे पर प्रभारी महापौर, आयुक्त और अपर आयुक्त टू-व्हीलर से पहुंचे ऑफिस



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पर्यावरण संरक्षण और शहर में प्रदूषण कम करने के उद्देश्य से इंदौर में प्रतिवर्ष 22 सितंबर को नो कार डे मनाया जाता है। इसी क्रम में मंगलवार को नगर निगम प्रभारी महापौर राजेंद्र राठौर, आयुक्त क्षितिज सिंघल और अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने कार का उपयोग नहीं करते हुए टू-व्हीलर से कार्यालय पहुंचकर हरित परिवहन अपनाने का संदेश दिया। प्रभारी महापौर राजेंद्र राठौर अपने निवास से मोटरसाइकिल से कार्यालय पहुंचे। वहीं नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल रैंडिओ कॉलोनी स्थित अपने निवास से ई-बाइक पर खाना हुए। वे रेजीडेंसी कोठी, जीपीओ चौराहा, मधु मिलन चौराहा और रीगल चौराहा होते हुए नेहरू पार्क स्थित स्मार्ट सिटी कार्यालय पहुंचे। अपर आयुक्त प्रखर सिंह भी नो कार डे के अवसर पर ई-बाइक से नेहरू पार्क स्थित स्मार्ट सिटी कार्यालय पहुंचे। अधिकारियों के टू-व्हीलर से कार्यालय पहुंचने का उद्देश्य शहरवासियों को निजी वाहनों के उपयोग को कम करने और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। नो कार डे के माध्यम से शहरवासियों को निजी वाहनों के बजाय साइकिल, ई-बाइक, लोक परिवहन और ई-रिक्शा जैसे परिवहन साधनों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य वाहन प्रदूषण और ईंधन की खपत को कम करने के साथ शहर में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देना है।

भारत की सिर्फ शून्य ही देन नहीं, ज्ञान परंपरा भी देश की अमूल्य धरोहर : उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंद्र सिंह परमार



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत बिहार से मध्यप्रदेश भ्रमण पर आए 16 सदस्यीय इंप्लूएंसर दल ने सोमवार की शाम इंदौर में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंद्र सिंह परमार से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मंत्री श्री परमार ने दल के सदस्यों से संवाद कर उनकी मध्यप्रदेश यात्रा के अनुभव, भ्रमण किए गए स्थलों और प्रतिक्रियाओं की जानकारी ली। उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंद्र सिंह परमार ने कहा कि भारत की दुनिया को केवल शून्य की देन ही नहीं है, बल्कि हमारी समृद्ध ज्ञान परंपरा भी देश की अमूल्य धरोहर है। नालंदा, गया और चंपारण जैसे क्षेत्र भारतीय संस्कृति, ज्ञान और परंपराओं की समृद्ध विरासत के प्रतीक हैं। मध्यप्रदेश और बिहार के बीच सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक समानताएं दोनों राज्यों को एक-दूसरे से जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में 'विकास भी, विरासत भी' के विजन के साथ प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में कार्य किया जा रहा है। विकास के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जनसुनवाई में प्रशासनिक संवेदनशीलता की मिसाल: कलेक्टर शिवम वर्मा ने सुनी आमजन की समस्याएं, किया त्वरित निराकरण

समस्या का त्वरित निराकरण होने पर गर्भवती महिला ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति जताया आभार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदक से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को गंभीरता से समझा तथा संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में पात्र नागरिकों को शासन की योजनाओं एवं प्रावधानों के अनुसार आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता के साथ परीक्षण करते हुए नियमानुसार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है और नागरिकों को राहत पहुंचाने के लिए विभागीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जनसुनवाई में श्रीमती राजकुमारी अहिरवार ने पहुंचकर अपनी समस्या के त्वरित निराकरण होने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार जताया। महिला ने कलेक्टर श्री वर्मा को मुख्यमंत्री डॉ. यादव की चित्र और आभार



वाली फोटो फ्रेम भेंट की। उन्होंने बताया कि गर्भवस्था के दौरान उनके पति उन्हें छोड़कर चले गए थे और समसुराल पक्ष से भी उन्हें सहयोग नहीं मिल रहा था। ऐसे कठिन समय में उन्होंने जनसुनवाई में पहुंचकर अपनी समस्या कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के समक्ष रखी थी। श्रीमती राजकुमारी अहिरवार ने बताया कि कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए न केवल उनके प्रकरण का निराकरण कराया, बल्कि राशन से लेकर उपचार तक आवश्यक सहायता की व्यवस्था शासन-प्रशासन के माध्यम से सुनिश्चित की। पोष्टिक आहार भी उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब सभी ने उनका साथ छोड़ दिया था, तब कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बड़े भाई की तरह उनका साथ दिया और उनके सम्पूर्ण उपचार की व्यवस्था कराई। उन्होंने कहा कि इसी सहयोग और संवेदनशीलता के लिए

वे आज आभार व्यक्त करने जनसुनवाई में पहुंची हैं। भावुक होते हुए उन्होंने कहा कि कठिन समय में उन्हें यह विश्वास मिला कि वे अकेली नहीं हैं और शासन-प्रशासन उनके साथ खड़ा है।

श्रीमती अहिरवार की बात सुनकर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि हम आपके साथ हमेशा हैं। आगे भी शासन-प्रशासन द्वारा भी आपकी सभी संभव मदद की जाएगी।

जनसुनवाई के एक अन्य प्रकरण में श्री रोमी कारढ़ा ने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के समक्ष अपने 9 वर्षीय बेटे के उपचार से संबंधित समस्या रखी। उन्होंने बताया कि उनका बेटा किडनी की गंभीर बीमारी से पीड़ित है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे बच्चे के उपचार का खर्च वहन करने में सक्षम नहीं हैं। इसी उम्मीद के साथ वे जनसुनवाई में अपनी समस्या लेकर पहुंचे थे। श्री रोमी कारढ़ा की समस्या को कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने गंभीरता से सुना और बच्चे के स्वास्थ्य एवं उपचार की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बच्चे के सम्पूर्ण उपचार की आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा प्रकरण में नियमानुसार

तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। श्री कारढ़ा ने भावुक होकर कहा कि जब मदद के सारे दरवाजे बंद हो जाते हैं, तब जनसुनवाई का दरवाजा खुला रहता है। आज यहां आकर मुझे अपने बेटे के इलाज की उम्मीद मिली है। शासन-प्रशासन की इस मदद से मेरे बेटे का बेहतर उपचार हो सकेगा। उन्होंने कहा कि वे अपने बेटे का समुचित उपचार कराने को लेकर चिंतित थे, लेकिन जनसुनवाई में अपनी बात रखने के बाद उन्हें बेटे के उपचार के लिए सहायता और उम्मीद मिली है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश के बाद श्री रोमी कारढ़ा ने राहत महसूस करते हुए जिला प्रशासन और शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अधिकारियों ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित 300 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशन में संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप से प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, निवृत्तिस्था सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे।

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण और समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के तहत मंगलवार को पुलिस कमिश्नर नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह ने कमिश्नर कार्यालय के सभागार में लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 126 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें पारिवारिक विवाद से लेकर जमीन-प्रॉपर्टी, पैसों के लेन-देन और साइबर फॉड से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रही।

जनसुनवाई में पति-पत्नी अथवा बेटा-बहू द्वारा परेशान किए जाने से संबंधित पारिवारिक विवाद, आपसी मतभेद, सोलर पैनल लगाने के नाम पर धोखाधड़ी, पैसों के लेन-देन, साइबर और फाइनेंशियल फ्रॉड, शिकायत पर सुनवाई नहीं होने, प्लॉट और मकान से जुड़े विवाद, जमीन संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध सहित अन्य पुलिस से संबंधित मामले सामने आए।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने प्रत्येक आवेदक की समस्या और शिकायत को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर और फोन के माध्यम से शिकायतों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस कमिश्नर ने आमजन को भरोसा दिलाया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा, न्याय और अधिकारों के संरक्षण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों के निराकरण में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

जनसुनवाई में पति-पत्नी अथवा बेटा-बहू द्वारा परेशान किए जाने से संबंधित पारिवारिक विवाद, आपसी मतभेद, सोलर पैनल लगाने के नाम पर धोखाधड़ी, पैसों के लेन-देन, साइबर और फाइनेंशियल फ्रॉड, शिकायत पर सुनवाई नहीं होने, प्लॉट और मकान से जुड़े विवाद, जमीन संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध सहित अन्य पुलिस से संबंधित मामले सामने आए। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने प्रत्येक आवेदक की समस्या और शिकायत को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर और फोन के माध्यम से शिकायतों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस कमिश्नर ने आमजन को भरोसा दिलाया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा, न्याय और अधिकारों के संरक्षण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों के निराकरण में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

अनंत चतुर्दशी पर झाकियों और अखाड़ों की सुरक्षा को लेकर पुलिस कमिश्नर ने आयोजकों से की बैठक

ड्रोन, सीसीटीवी और फेस रिकग्निशन कैमरों से होगी निगरानी, बदमाशों और असामाजिक तत्वों पर रहेगी विशेष नजर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शहर में निकलने वाले पारंपरिक झाकियों और अखाड़ों के चल समारोह को सुरक्षित, व्यवस्थित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने 22 सितंबर को अभ्य प्रशाल सभागार में आयोजनकर्ताओं और संचालकों के साथ बैठक की। बैठक में आयोजन की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात, भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन इंतजामों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अपराध एवं मुख्यालय आरके सिंह, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त कार्य एवं व्यवस्था मयंक अवस्थी, सभी पुलिस उपायुक्त एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त और थाना प्रभारी सहित शहर की प्रमुख झाकियों एवं अखाड़ों के आयोजक तथा उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पुलिस अधिकारियों ने आयोजकों से झाकियों और अखाड़ों के क्रम, आयोजन में शामिल होने वाले लोगों और वाहनों की संख्या, पार्किंग व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम तथा

निर्धारित मार्ग और समय की जानकारी ली। पुलिस कमिश्नर ने सभी आयोजकों से कहा कि आयोजन की विधिवत अनुमति लेने के साथ अनुमति की सभी शर्तों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। निर्धारित रूट और समय में बिना सक्षम अनुमति के किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाए।

झाकियों में विद्युत व्यवस्था को लेकर भी विशेष सावधानी बताने के निर्देश दिए गए। आयोजन से पहले वायरिंग, कनेक्शन और विद्युत उपकरणों की सुरक्षा जांच कराने के साथ किसी भी संभावित दुर्घटना से बचने के लिए आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा गया।

आयोजकों को अपने पदाधिकारियों और वालियंटियर्स की सूची मोबाइल नंबर सहित पुलिस को उपलब्ध कराने तथा आयोजन से



पहले वालियंटियर्स को उनकी जिम्मेदारियों और सुरक्षा संबंधी सावधानियों की जानकारी देने के निर्देश दिए गए। झाकियों और जुलूस में उपयोग होने वाले वाहनों की मैकेनिकल जांच कराने और उनमें आवश्यक सुरक्षा उपकरण रखने के लिए भी कहा गया। पुलिस ने वाहन चालकों को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए। चालकों के प्रशिक्षित और सक्षम होने के साथ शराब अथवा किसी अन्य नशीले पदार्थ का सेवन कर वाहन नहीं चलाने की हिदायत दी गई।

झाकियों और अखाड़ों में शामिल वाहनों के चालकों की पुलिस द्वारा ब्रेथ एनालाइजर से जांच की जाएगी। शराब का सेवन पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति को वाहन चलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

किसी भी आकस्मिक घटना से निपटने के लिए झाकियों और संबंधित वाहनों में अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, स्ट्रेचर सहित आवश्यक आपातकालीन संसाधन उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए। वहीं प्रमुख मार्गों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से निगरानी रखने की व्यवस्था की जाएगी। संवेदनशील और अधिक भीड़ वाले स्थानों पर फेस रिकग्निशन कैमरों के माध्यम से संधिध एवं असामाजिक तत्वों की पहचान और निगरानी भी की जाएगी। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि अनंत चतुर्दशी इंदौर की ऐतिहासिक और गौरवशाली परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। शहरवासियों के लिए पर्व को हार्षोल्लास और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए

पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने आयोजकों से सुरक्षा से जुड़ी हर छोटी-बड़ी बात का विशेष ध्यान रखने और पुलिस प्रशासन के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने की अपील की।

साउंड सिस्टम का उपयोग निर्धारित अनुमति और शासन द्वारा तय ध्वनि सीमा के अंतर्गत करने के निर्देश भी दिए गए। संभावित बारिश को देखते हुए झाकियों, विद्युत उपकरणों, साउंड सिस्टम और अन्य व्यवस्थाओं के लिए वैकल्पिक इंतजाम करने को कहा गया है। बैठक के दौरान आयोजनकर्ताओं ने अपनी समस्याएं और सुझाव पुलिस अधिकारियों के समक्ष रखे। अधिकारियों ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई और निराकरण का आश्वासन दिया। आयोजनकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया और कहा कि संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर अनंत चतुर्दशी के ऐतिहासिक आयोजन को सुरक्षित, व्यवस्थित और हार्षोल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में सहयोग किया जाएगा।

आपसी विवाद से लेकर जमीन-प्रॉपर्टी और पैसों के लेन-देन तक, जनसुनवाई में पहुंचीं 126 शिकायतें



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण और समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के तहत मंगलवार को पुलिस कमिश्नर नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह ने कमिश्नर कार्यालय के सभागार में लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 126 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें पारिवारिक विवाद से लेकर जमीन-प्रॉपर्टी, पैसों के लेन-देन और साइबर फॉड से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रही।

जनसुनवाई में पति-पत्नी अथवा बेटा-बहू द्वारा परेशान किए जाने से संबंधित पारिवारिक विवाद, आपसी मतभेद, सोलर पैनल लगाने के नाम पर धोखाधड़ी, पैसों के लेन-देन, साइबर और फाइनेंशियल फ्रॉड, शिकायत पर सुनवाई नहीं होने, प्लॉट और मकान से जुड़े विवाद, जमीन संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध सहित अन्य पुलिस से संबंधित मामले सामने आए। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने प्रत्येक आवेदक की समस्या और शिकायत को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर और फोन के माध्यम से शिकायतों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस कमिश्नर ने आमजन को भरोसा दिलाया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा, न्याय और अधिकारों के संरक्षण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों के निराकरण में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

सखलेचा की विकासवादी सोच से चमकेगी जावद की तकदीर

4,197 करोड़ की सिंचाई योजना को कैबिनेट की हरी झंडी, किसानों में भारी उत्साह

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद विधानसभा क्षेत्र को विकास के पथ पर देश के अग्रणी क्षेत्रों में शुमार करने वाले विधायक ओमप्रकाश सखलेचा की विकासवादी सोच के कारण क्षेत्र को एक और ऐतिहासिक सीगात मिली है। 22 सितम्बर 2026 को आयोजित मध्यप्रदेश कैबिनेट की बैठक में नीमच जिले की बहुप्रतीक्षित जावद-नीमच द्वाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की निरंतरता के लिए 4,197 करोड़ 58 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति दे दी गई है। सरकार के इस फैसले के बाद अब जल संसाधन विभाग द्वारा जल्द ही टेंडर की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

इस महा-परियोजना की मंजूरी से पूरे अंचल के किसानों में जयन का माहौल है और ग्रामीण क्षेत्रों में खुशी की लहर दौड़ गई है। विधायक सखलेचा के प्रयासों से ही यह भगीरथ प्रयास सफल हुआ- जसवंत बंजारा परियोजना की मंजूरी पर हर्ष व्यक्त करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष जयवंत बंजारा ने विधायक ओमप्रकाश सखलेचा के नेतृत्व की सराहना की।

श्री बंजारा ने कहा कि यह जावद क्षेत्र के इतिहास का सबसे स्वर्णिम दिन है। विधायक ओमप्रकाश सखलेचा जी की दूरदर्शी और

लूट की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए सर्राफा व्यापारियों को शस्त्र लायसेंस मिले-कारूलाल सोनी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विगत दिनों मप्र की राजधानी भोपाल में नर्मदा क्लब सभागार में स्वर्णकार समाज की महापंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें स्वर्णकार समाज की 28 दरों ने भाग लिया। उक्त आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल दक्षिण पश्चिम के विधायक भगवानदास सबनानी, भोपाल की महापौर मालती राय, हिन्दी ग्रंथ एकादमी के संचालक अशोक कडेल एव मप्र स्वर्णकार पंचायत के अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर सागर अभय दरें उपस्थित थे। इस अवसर पर मंदसौर के प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अभा मेढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज रजि नई दिल्ली के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कारूलाल सोनी का स्वर्णकार समाज की विभिन्न संस्थाओं, संगठनों में अनेक पदों पर रहते हुए 51 वर्ष पूर्ण करने पर स्वर्णकार समाज रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने श्री सोनी का समाज रत्न स्मृति चिन्ह, शॉल एवं श्री फल से सम्मान किया। इस मौके पर श्री सोनी ने कहा कि स्वर्णकार समाज प्रगति करें इसके लिए निरंतर प्रयासरत है। पुष्करजी तीर्थ में स्वर्णकार समाज का सर्वसुविधायुक्त अजमीढ भवन बनाया जा रहा है। एक भाग बनकर पूर्ण हो चुका है जिसमें महाराजा जयमिह जी का भव्य मंदिर भी बनाया जा चुका है। आज भी हम सरकार से तीन प्रमुख मांगें कर रहे कि स्वर्णकला बोर्ड की जगह स्वर्णकार आयोग का गठन किया गया जाये। लूट की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए स्वर्णकार और सर्राफा व्यापारियों को शस्त्र लायसेंस प्रदान किये जाये। राजनीति में हथिसेदारी सुनिश्चित कि जाये। इन मांगों को लेकर जिला स्तर पर रैली निकालकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंप जायेंगे जो पूरे प्रदेश में होंगे। वही स्वर्णकार समाज के प्रतिनिधियो का बड़ा अधिवेशन भोपाल में करना सुनिश्चित किया गया जिसमें 1 लाख स्वर्णकारो को भोपाल में बुलाकर भव्य रैली का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर मप्र स्वर्णकार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजा सर्राफ, बनवारीलाल पचोर, मनीष सोनी, मप्र स्वर्णकार समाज युवा संगठनके प्रदेश अध्यक्ष प्रतीक सोनी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अरविन्द सोनी एवं अशोक वर्मा ने किया एवं आभार रामस्वरूप सोनी ने माना।

थाना शामगढ़ पुलिस ने एनडीपीएस के दो फरार इनामी आरोपियों को दबोचा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।पुलिस मुख्यालय द्वारा फरार इनामी आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोट राम सनेही मिश्रा एवं एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शामगढ़ उप निरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय की टीम द्वारा थाना शामगढ़ के एनडीपीएस अधिनियम के अपराध में 02 फरार इनामी आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली।

थाना शामगढ़ के अपराध क्रमांक 124/26 धारा 8/15, 29 एनडीपीएस एक्ट में आरोपी भारत सिंह पिता कालू सिंह जाति सोंथिया निवासी ग्राम आमली, थाना शामगढ़ जिला मंदसौर व बनवारी पिता मुकेश व्यास उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम आमली, थाना शामगढ़ जिला मंदसौर घटना दिनांक से ही फरार थे। जिन पर पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रत्येक पर 1000-1000 रुपये के इनाम की घोषणा की गई थी। शामगढ़ पुलिस द्वारा दिनांक 22.09.2026 को दोनों फरार इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया गया उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय थाना प्रभारी शामगढ़, डेन ओमप्रकाश राठौर, आर. प्रेम कुमार, आर. मोकम सिंह, आर. धर्मेश बैरागी, आर. विशाल चौहान, आर. राहुल पांचाल का सराहनीय योगदान रहा।

पैडल के भरोसे 1200 किमी का सफर, भादवा माता से मन्नत लेकर निकले लसुड़िया हाड़ा के जीतू सिंह, 11 दिन में नाप दिया वैष्णो देवी का रास्ता

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मन में महाशक्ति भादवा माता का आशीर्वाद और पैरों में माता वैष्णो देवी से मिलने की तड़प हो, तो कठिन से कठिन रास्ता भी छोटा पड़ जाता है। ऐसा ही एक हैरतअंगेज और अद्वितीय कारनामा कर दिखाया है नीमच तहसील के ग्राम लसुड़िया हाड़ा के 38 वर्षीय श्रद्धालु जीतू सिंह चौहान ने। जीतू सिंह ने किसी साधन या ट्रेन से नहीं, बल्कि अपना साधारण सी साइकिल के पैडल मार्कर मालवा से लेकर जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों तक का सफर तय कर लिया। वे महज 11 दिनों में करीब 1200 किलोमीटर की दूरी तय कर माता वैष्णो देवी के दरबार पहुंच गए।

रोजाना 110 किमी का सफर, 27 दिनों बाद लौटे अपनी माटी पर जीतू सिंह चौहान की इस पावन साहसिक यात्रा को आज 27 दिन पूरे हो चुके हैं। माता रानी के दरबार में शीश नवाकर और पूरे क्षेत्र की खुशहाली की मन्नत मांगकर जब वे



विकासवादी सोच के चलते ही आज हमारे क्षेत्र के अन्नदाताओं को इन्नी बड़ी सीगात मिल पाई है। उन्होंने हमेशा किसानों के दर्द को समझा है और यह सिंचाई परियोजना क्षेत्र के लिए एक भगीरथ प्रयास साबित होगी।

इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए हम पूरी

कैबिनेट और हमारे लोकप्रिय विधायक जी का सहजर्ज आभार व्यक्त करते हैं।

यह जावद के कृषि इतिहास का ऐतिहासिक और युगांतकारी निर्णय- सचिन गोखरू - इस बड़ी सीगात पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दावत मंडल अध्यक्ष सचिन गोखरू ने कहा कि विधायक ओमप्रकाश सखलेचा जी केवल बातें नहीं करते, बल्कि धरातल पर विकास करके दिखाते हैं। 4,197 करोड़ की इस विशाल सूक्ष्म सिंचाई योजना की मंजूरी उनके दृढ़ संकल्प और जावद के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है। इस अत्याधुनिक योजना के लागू होने से जावद का कृषि क्षेत्र पूरी तरह बदल जाएगा। यह योजना और विधायक जी की दूरगामी सोच जावद के

उज्ज्वल भविष्य का आधार बनेगी।

सिंगोली अंचल के किसानों के जीवन में समृद्धि लाएगी यह योजना- राधेश्याम मेघवंशी

इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए सिंगोली

भाजपा मंडल अध्यक्ष राधेश्याम मेघवंशी ने विधायक सखलेचा का आभार जताया। श्री मेघवंशी ने कहा कि सिंगोली सहित पूरे जावद विधानसभा क्षेत्र के किसानों के लिए आज का दिन दिवाली जैसा है। विधायक ओमप्रकाश सखलेचा जी की विकासपरक नीतियों के कारण ही कैबिनेट से 4,197 करोड़ जैसी ऐतिहासिक राशि मंजूर हुई है।

सिंगोली क्षेत्र के अनेक गांवों को इस योजना से नया जीवन मिलेगा और सिंचाई की चिंता हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी। विधायक जी ने कृषि और किसान को सशक्त बनाने का जो संकल्प लिया था, वह आज सिद्ध हो गया है। पूरा सिंगोली अंचल विधायक जी की इस दूरगामी सोच के साथ मजबूती से खड़ा है।

आस्था का महासंगम, जावद में डोल ग्यारस पर सखा के रंग में रंगे पूर्व मंत्री सखलेचा

लेजिम की थाप पर थिरके, जयकारों से गुंजायमान हुआ आकाश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद अंचल में जलझूलनी (डोल) ग्यारस का पान पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि अगाध श्रद्धा, संस्कृति और सामाजिक समरसता का अनुपम महासंगम बन गया। नगर के विभिन्न देवालयाों से जब भगवान के दिव्य बेवाण (विमान) पूर्ण वैभव, राजकीय ठाट-बाट और गाजे-बाजे के साथ निकले, तो पूरा जावद नगर मानो साक्षात वैकुंठ धाम में बदल गया। भगवान के स्वागत के लिए पलक-पावड़े बिछाए बैठे श्रद्धालुओं ने समूचे मार्ग को तोरण द्वारों और रंगोली से सजाया था।

शौर्य, कला और अटूट आस्था के इस विहंगम दृश्य में मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने मुख्य रूप से सहभागिता की। उत्सव के दौरान उनका एक बेहद अनूठा और आत्मीय रूप देखने को मिला। राजनीति की औपचारिकता को दरकिनार कर, वे अपने नाम के अनुरूप ही आम जनता और भक्तों के बीच सखा (मित्र) के सहज भाव में रच-बस गए।

लेजिम की थाप पर जन-मन का जुड़ाव



शोभायात्रा के दौरान जब विभिन्न अखाड़ों के जांबाज कलाकार डोल की थाप पर शौर्य का प्रदर्शन कर रहे थे, तब पूर्व मंत्री सखलेचा खुद को रोक नहीं पाए। वे सीधे अखाड़े की जीवंत आंगन में उतरे और अपने हाथों में पारंपरिक लेजिम (रंजिम) थाम लीं। भगवान के बेवाण के समु्ख डोल की गुंजती थापों के बीच पूर्व मंत्री पूरी ऊर्जा और भक्तिमय आनंद के साथ थिरकते नजर आए। यहीं लेजिम की हर थाप सिर्फ उत्सव का उल्लास नहीं थी, बल्कि जनता के दिल की धड़कन और जनमानस पर उनकी मजबूत पकड़ का श्लेषपूर्ण प्रतीक भी बन गई।

अपने जनप्रतिनिधि को इस तरह भक्ति रस में सराबोर देख युवाओं और श्रद्धालुओं का उत्साह कई गुना बढ़ गया।

विधायक ने लेजिम बजाकर न केवल लोक संस्कृति का मान बढ़ाया, बल्कि हैतअंज करतब दिखा रहे पहलवानों की पीठ थपथपाकर उनका हौसला भी बुलंद किया।

शीश नवाकर मांगी अंचल की सुख-समृद्धि -

इस पावन अवसर पर पूर्व मंत्री सखलेचा ने

हजारों एकड़ भूमि सिंचित हुई।

तकनीक से जोड़ा खेती को- जावद को

हमेशा %हार्डटेक% बनाने की सोच रखने वाले सखलेचा ने क्षेत्र में इजरायली तकनीक और ड्रिप-स्प्रिंकलर (सूक्ष्म सिंचाई) को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्यशालाएं और सरकारी योजनाएं जमीन पर उतारीं।

बिजली संकट का समाधान ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को खेती के लिए पर्याप्त और निबांध बिजली मिले, इसके लिए उन्होंने दर्जनों नए विद्युत उपकेंद्र (ग्रिड) स्वीकृत करवाए।सड़क नेटवर्क से सुगम हुई राह- खेतों से कृषि उपज मंडी तक फसलों को आसानी से पहुंचाने के लिए उन्होंने सुदूर सड़क योजना के तहत खेतों तक पक्की सड़कों का जाल बिछाया।48,900 हेक्टेयर में पहुंचेगा आधुनिक पद्धति से पानीकैबिनेट से मंजूर हुई यह नई द्वाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना सीधे तौर पर जावद तहसील के

212 गांवों के 48,900 हेक्टेयर क्षेत्र की तकदीर बदल देगी। पूरी परियोजना से नीमच जिले का 1 लाख 8 हजार 600 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा। पाइपलाइन के माध्यम से सीधे खेतों तक पानी पहुंचने से पानी का अपव्यय रुकेगा और कम लागत में किसानों को दोगुनी पैदावार मिलेगी

हमेशा किसान हित को सर्वोपरि रखा विधायक सखलेचा की प्रमुख उपलब्धियाँयह पहली बार नहीं है जब विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने क्षेत्र के अन्नदाताओं के लिए

इतनी बड़ी सीगात लाई है।

जावद में उनकी किसान-हितैषी नीतियां हमेशा मिसाल रही हैं

जल क्रांति की नींव क्षेत्र के गिरते भूजल स्तर को सुधारने के लिए उन्होंने लगातार छोटे-बड़े बांधों, तालाबों के जीर्णोद्धार और चेकडैम निर्माण को बढ़ावा दिया, जिससे

लेजिम की थाप पर थिरके, जयकारों से गुंजायमान हुआ आकाश

शोभायात्रा के दौरान जब विभिन्न अखाड़ों के जांबाज कलाकार डोल की थाप पर शौर्य का प्रदर्शन कर रहे थे, तब पूर्व मंत्री सखलेचा खुद को रोक नहीं पाए। वे सीधे अखाड़े की जीवंत आंगन में उतरे और अपने हाथों में पारंपरिक लेजिम

(रंजिम) थाम लीं। भगवान के बेवाण के समु्ख डोल की गुंजती थापों के बीच पूर्व मंत्री पूरी ऊर्जा और भक्तिमय आनंद के साथ थिरकते नजर आए। यहीं लेजिम की हर थाप सिर्फ उत्सव का उल्लास नहीं थी, बल्कि जनता के दिल की धड़कन और जनमानस पर उनकी मजबूत पकड़ का श्लेषपूर्ण प्रतीक भी बन गई।

अपने जनप्रतिनिधि को इस तरह भक्ति रस में सराबोर देख युवाओं और श्रद्धालुओं का उत्साह कई गुना बढ़ गया। विधायक ने लेजिम बजाकर न केवल लोक संस्कृति का मान बढ़ाया, बल्कि हैतअंज करतब दिखा रहे पहलवानों की पीठ थपथपाकर उनका हौसला भी बुलंद किया। शीश नवाकर मांगी अंचल की सुख-समृद्धि -

इस पावन अवसर पर पूर्व मंत्री सखलेचा ने

हजारों एकड़ भूमि सिंचित हुई। तकनीक से जोड़ा खेती को- जावद को हमेशा %हार्डटेक% बनाने की सोच रखने वाले सखलेचा ने क्षेत्र में इजरायली तकनीक और ड्रिप-स्प्रिंकलर (सूक्ष्म सिंचाई) को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्यशालाएं और सरकारी योजनाएं जमीन पर उतारीं। बिजली संकट का समाधान ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को खेती के लिए पर्याप्त और निबांध बिजली मिले, इसके लिए उन्होंने दर्जनों नए विद्युत उपकेंद्र (ग्रिड) स्वीकृत करवाए।सड़क नेटवर्क से सुगम हुई राह- खेतों से कृषि उपज मंडी तक फसलों को आसानी से पहुंचाने के लिए उन्होंने सुदूर सड़कों का जाल बिछाया।48,900 हेक्टेयर में पहुंचेगा आधुनिक पद्धति से पानीकैबिनेट से मंजूर हुई यह नई द्वाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना सीधे तौर पर जावद तहसील के 212 गांवों के 48,900 हेक्टेयर क्षेत्र की तकदीर बदल देगी। पूरी परियोजना से नीमच जिले का 1 लाख 8 हजार 600 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा। पाइपलाइन के माध्यम से सीधे खेतों तक पानी पहुंचने से पानी का अपव्यय रुकेगा और कम लागत में किसानों को दोगुनी पैदावार मिलेगी

हमेशा किसान हित को सर्वोपरि रखा विधायक सखलेचा की प्रमुख उपलब्धियाँयह पहली बार नहीं है जब विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने क्षेत्र के अन्नदाताओं के लिए इतनी बड़ी सीगात लाई है।

जावद में उनकी किसान-हितैषी नीतियां हमेशा मिसाल रही हैं

जल क्रांति की नींव क्षेत्र के गिरते भूजल स्तर को सुधारने के लिए उन्होंने लगातार छोटे-बड़े बांधों, तालाबों के जीर्णोद्धार और चेकडैम निर्माण को बढ़ावा दिया, जिससे

ग्राम झांतला सहित नीमच जिले में पर्वराज पर्युषण की धूम सांसारिक आपाधापी छोड़ खुद के भीतर झांकने का नाम है पर्युषण



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।जैन दर्शन में पर्युषण महापर्व (दशलक्षण पर्व) को पर्वराज (पर्वों का राजा) का सर्वोच्च स्थान दिया गया है। यह महापर्व पूरी तरह से अन्तर्मुखी होने, आत्म-निरीक्षण, इंद्रिय संयम और घोर तप का पावन काल है। ग्राम झांतला सहित पूरे नीमच जिले का समस्त जैन समाज पूरी एकजुटता, आपसी सीोहार्द और बड़े उत्साह के साथ मिलकर इस पावन अनुष्ठान का समूहिक आयोजन कर रहा है। जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण अंचलों के तमाम मंदिरों में इस समय आध्यात्मिक माहौल है।

क्यों मनाया जाता है पर्युषण पर्व-

आत्मा के निकट निवास- पर्युषण का अर्थ है- अपनी आत्मा के सबसे नजदीक निवास करना। यह समय स्वयं को

समय देने और आत्म-साक्षात्कार करने के लिए निश्चित है।

कर्मों की निर्जरा (सफाई)- क्रोध, मान (अहंकार), माया और लोभ के कारण आत्मा पर जमे प्राचीन कर्म-बंधनों को उपवास व तपस्या की भट्टी में तपाकर नष्ट (निर्जरा) किया जाता है।

चातुर्मास अनुश्रामन- वर्षा ऋतु में जीव-हिंसा से बचने और जैन साधु-संतों के पावन सानिध्य का

लाभ उठाने के लिए समाज के श्रावक इस काल में विशेष नियमों में बंध जाते हैं।

क्या है इसका आध्यात्मिक महत्व?10 आत्मिक गुणों की आराधना इसमें प्रतिदिन आत्मा के एक दिव्य गुण- उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग, आर्किंचन्य और ब्रह्मचर्य की पूजा की जाती है।

इंद्रिय विजय समाज जन हरी सबिज्यों, कंदमूल और रात्रि भोजन का पूर्ण त्याग कर कड़े उपवास, बेला, तेला या एकासन (दिन में एक बार भोजन) करते हैं।

स्वाध्याय व ध्यान- जैन मंदिरों में सुबह-शाम तत्त्वार्थ सूत्र व जिनवाणी का समूहिक वाचन और सामायिक (मौन ध्यान) कर श्रद्धालु आत्मिक शांति प्राप्त कर रहे हैं।

प्रजापत समाज की बैठक में मंदिर त्यवस्था, विकास एवं सामाजिक एकता पर मंथन

राम-जानकी मंदिर परिसर में वर्षभर होते हैं धार्मिक आयोजन, गणेशोत्सव में महिला संगीत व गरबा ने बांधा समां

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रजापत समाज की वार्षिक बैठक राम-जानका मंदिर परिसर में सीोहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में समाज के विभिन्न विषयों के साथ मंदिर परिसर की व्यवस्था, रखरखाव, विकास कार्यों एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से मंदिर परिसर की व्यवस्था एवं देखरेख की जिम्मेदारी किशन पिता मदनलाल प्रजापत एवं लालाराम पिता प्रभुदयाल प्रजापत को सौंपने का निर्णय लिया गया। साथ ही आगामी वर्ष की राशि निर्धारित

बैठक में सर्वसम्मति से मंदिर परिसर की व्यवस्था एवं देखरेख की जिम्मेदारी किशन पिता मदनलाल प्रजापत एवं लालाराम पिता प्रभुदयाल प्रजापत को सौंपने का निर्णय लिया गया। साथ ही आगामी वर्ष की राशि निर्धारित



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवम राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के अंतर्गत जिले में आयुष विभाग द्वारा



विश्वर आंगनवाड़ी केंद्रों, टीकाकरण केंद्रों एवं विद्यालयों में पोषण जागरूकता कार्यक्रम तथा आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, किशोरी बालिकाओं, बच्चों एवं विद्यार्थियों को संतुलित

मिलावटी मावा बेचने वाले मालिक को 3 माह की सजा एवं 2 लाख रुपये जुर्माना

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महोदय, मंदसौर (श्रीमान अतुल बिल्लौरी) द्वारा आरोपी बाबूलाल पिता छानलाल जी विजयवर्गीय निवासी मल्हारगढ़, जिला मंदसौर (म.प्र.) को मिलावटी मावा विक्रय करने के अपराध में दोषी पाते हुए 3 माह सश्रम कारावास एवं 2 लाख रुपये जुर्माने से दण्डित किया । अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी बलराम सोलंकी द्वारा घटना के संबंध में बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश जमरा दिनांक 08.10.2011 को दिपावली त्यौहार को देखते हुए निरीक्षण हेतु गांधी चौक मल्हारगढ़ पहुंचे, जहां विजयवर्गीय मिश्रान भंडार पर पहुंचकर वहां व्यवसायरत व्यक्ति को अपने नाम और पद का परिचय देकर उनसे जानकारी ली, जिसमें उसने अपना नाम बाबूलाल पिता छानलाल विजयवर्गीय होना बता कर स्वयं को दुकान का मालिक बताते हुए वर्ष 2011-12 का लायसेंस दिखाकर मिठाई, नमकीन व मावा का विक्रय करना बताया, दुकान के निरीक्षण के दौरान एक कंटेनर में लगभग 5 किलोग्राम मावा रखा हुआ पाया, जिसमें मिलावट की शंका होने पर उक्त मावे का नमूना जांच हेतु खाद्य कारोबार कर्ता आरोपी से 1 किलोग्राम मावा 120 रुपये प्रति किलों की दर से खरीद कर चार बराबर भागों में बांटकर प्रत्येक भाग को प्लास्टिक की फ़ूडग्रेड साफ सूखी थैली में भरकर प्रत्येक भाग में लगभग 20-20 बूंद फार्मैलिन की डालकर पुनः समस्त कर थैली के मुंह को बंदकर सील किया गया। नमूने को जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया रिपोर्ट अनुसार मावा अवमानक पाया गया था उसके बाद धारा 46(4) खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधि. 2006 के अंतर्गत पुनः जांच हेतु गाजियाबाद लेब भेजा गया था उक्त रिपोर्ट अनुसार भी मावा अवमानक एवं असुरक्षित पाया गया था। उक्त विभाग द्वारा आरोपी के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही कर परिवार माननीय न्यायालय में पेश किया गया था। शासन की ओर से प्रकरण में माननीय न्यायालय के समक्ष संचालन बलराम सोलंकी, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी द्वारा किया गया।

अलसुबह बाइक चोरी, दो मिनट में लॉक खोलकर ले गए बदमाश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया नगर में चोरी की वारदातों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। मुख्य मनासा रोड स्थित माधव बीज भंडार के पास सोमवार अलसुबह बाइक चोरी की वारदात सामने आई। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। जानकारी के अनुसार सरवानिया निवासी पवन पिता गोपाल पोखवाल की कारो रंगी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 14 एनई 5115 को सुबह करीब 4~42 बजे तीन अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए। बताया गया कि तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर पहुंचे थे। इनमें से दो बदमाश नीचे उतरे और करीब दो मिनट में बाइक का लॉक खोलकर मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गए। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। पुलिस फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान और तलाश में जुटी है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में बाइक चोर गिरोह सक्रिय है। दिनों - दिन चोरी की वारदात बढ़ रही है।

दिनदहाड़े घर में चोरी, 50 हजार नकदी सहित करीब एक लाख के चांदी के जेवर ले गए चोर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया थाना क्षेत्र के ग्राम उमरिया में दिनदहाड़े घर का दरवाजा खुला छोड़कर अज्ञात बदमाश करीब 50 हजार रुपए नकद और लगभग एक लाख रुपए कीमत के चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। घटना का पता सोमवार शाम करीब 5 बजे महिला के घर पहुंचने पर पता चला। पन्नालाल पिता शंकरलाल बलाई निवासी उमरिया ने पिपलिया मंडी थाने में शिकायत दी है। शिकायत के अनुसार सोमवार सुबह करीब 10 बजे पन्नालाल खेत पर दवाई का छिड़काव करने गया था। उसकी पत्नी और बेटी भी घर पर नहीं थे। इसी दौरान अज्ञात बदमाश घर में घुसे और लोहे के ड्रम में रखी करीब 50 हजार रुपए की नकदी तथा करीब एक लाख रुपए कीमत के चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। शाम करीब 5 बजे घर पहुंचने पर महिला को घर का सामान बिखरा मिला, जिसके बाद चोरी का पता चला। सूचना को पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मंदसौर में नशे पर सख्ती होगी, अवैध अफीम खेती पर निगरानी, तस्करों पर शिकंजा कसने के निर्देश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर दिव्यांक सिंह की अध्यक्षता में नारकोटिक्स एवं नशीली दवाओं की रोकथाम तथा समन्वय के संबंध में बैठक कलेक्टर सभा कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक विनोद मीना, संयुक्त कलेक्टर सुश्री प्रीति संघवी, जिला परिवहन अधिकारी दीपक माझी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में निर्धारित एजेंडे पर चर्चा हुई, कलेक्टर दिव्यांक सिंह द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी की प्रवृत्तियों के बारे में सूचनाओं का आदान-प्रदान, जिले में अफीम, भांग आदि फसलों की अवैध खेती पर निगरानी पर चर्चा कर दिशा-निर्देश दिए गए। इसी तरह ऐसे प्रकरण जो क्रॉस स्टेट संबंधी हों, उनकी जांच की प्रगति की निगरानी के संबंध में कलेक्टर द्वारा जानकारी ली गई। कलेक्टर ने स्कूल-कॉलेजों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग विरोधी जागरूकता बढ़ाने के लिए आवश्यक सेमिनार तथा संगोष्ठियां करने के निर्देश दिए। एनडीपीएस अधिनियम के

प्रावधानों तथा नशे के हानिकारक प्रभावों पर, मादक फसलों की अवैध खेती से प्रभावित क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के बारे में भी कलेक्टर ने निर्देश दिए। इसके अलावा जिले में मादक फसलों की अवैध खेती से प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक विकास कार्यक्रम तालाबू करने के लिए कार्य योजना पर चर्चा की गई। मादक पदार्थों का पता लगाने के लिए उपकरणों की आवश्यकताओं का आकलन करने और उनकी व्यवस्थाओं के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए। कलेक्टर द्वारा मंदसौर जिले में नशा मुक्ति तथा पुनर्वास केंद्र स्थापना के संबंध में स्वास्थ्य विभाग तथा सामाजिक न्याय विभाग को निर्देशित किया गया। इसके अलावा एनडीपीएस अधिनियम में जब्त मादक पदार्थों के विनष्टीकरण तथा एनडीपीएस एक्ट में वाणिज्यिक मात्रा के प्रकरणों में गिरफ्तार आरोपियों की चल-अचल संपत्ति का वित्तीय अनुसंधान करवाकर संपत्ति फ्रीजिंग करवाने की कार्रवाई पर भी जानकारी ली गई तथा आवश्यक निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए।

बैठक के दौरान समाजजनों ने आपसी सहयोग, भाईचारा एवं सामाजिक एकता को मजबूत बनाए रखने पर चर्चा दिया। सदस्यों ने कहा कि समाज की प्रगति और मंदिर के विकास के लिए सभी समाजबंधुओं का मिल-जुलकर सहयोग करना आवश्यक है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए पार्षद भारत कुमार प्रजापति ने बताया कि समाज द्वारा धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं एवं विकास कार्यों को लेकर भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक में लिए गए निर्णयों को आपसी सहयोग से आगे बढ़ाने पर निश्चित बनी।

बर्डिया जागीर में आयोजित कार्यक्रम में ंत्योहारों एवं उत्सवों में आंगनवाड़ी केंद्रों पर भोज का आयोजनः

थीम के तहत ताजा, विविधतापूर्ण, पौष्टिक, गर्म एवं सुपाच्य भोजन के महत्व

सम्पादकीय

पुलिस सुधारों का अंतहीन इंतजार

भारत भले ही 1947 में आजाद हो गया, मगर भारतीय पुलिस आज भी एक तरह से गुलाम ही है। आप कहेंगे, कैसे? में इसे समझाता हूं। आप जानते हैं कि 1857 में अंग्रेज हुकूमत के विरुद्ध बगावत हुई थी। विद्रोह को तो उन्होंने कुचल दिया, परंतु भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उन्होंने तय किया कि एक ऐसी फोर्स होनी चाहिए, जो हर हाल में उनके आदेशानुसार काम करे-आदेश वैधानिक हो या अवैधानिक। इस पृष्ठभूमि में भारतीय पुलिस का 1861 में गठन हुआ। अंग्रेजों ने स्वतंत्रता आंदोलन को कुचलने में पुलिस का बेरहमी से इस्तेमाल किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात पुलिस का यह रूप-स्वरूप बदलना चाहिए था।

संभवतः उस समय के नेताओं ने यही सोचा होगा कि समय के साथ पुलिस की कार्यप्रणाली भी बदल जाएगी, मगर ऐसा हो नहीं सका। उल्टे समय के साथ राजनीतिक बिगड़ी और प्रशासकीय तंत्र के बीच परस्पर लाभ के लिए एक साजगांठ की स्थिति बन गई। इसका वीथस्थ उदाहरण हमें 1975 में आपातकाल के दौरान दिखा, जब पुलिस ने सैकड़ों बेगुनाह लोगों को केवल इस आधार पर गिरफ्तार कर लिया कि वे सरकार का विरोध कर रहे थे। शाह कमीशन ने अपनी जांच में स्पष्ट लिखा था कि अगर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकनी है तो हमें पुलिस को राजनीतिक प्रभाव से मुक्त करना पड़ेगा। दुर्भाग्य से इस संस्रुति पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

वर्ष 1977 में नेशनल पुलिस कमीशन का गठन हुआ, जिसने पुलिस सुधार पर बड़ी अच्छी रिपोर्ट तो तैयार की, परंतु उस पर अमल नहीं हो पाया। आपातकाल के कुछ वर्षों बाद 1984 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद कई शहरों विशेष तौर पर दिल्ली में हुए दंगों में बड़ी संख्या में सिख मारे गए। दंगा करने वाले कांग्रेस पार्टी के नेता या पार्टी समर्थक थे। इसलिए पुलिस मुकदशेक बनी रही। सबकी समझ में आ गया कि पुलिस में मूलभूत परिवर्तन की आवश्यकता है, परंतु किया किसी ने कुछ नहीं। गोरें साहब का स्थान सावले को ले लिया था। शासक वर्ग को अंग्रेजों की बनावड़ पुलिस का चस्का लग गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने भी 2006 में पुलिस सुधार संबंधी कुछ आदेश जारी किए, मगर वे केंद्र एवं राज्य सरकारों को रस नहीं आए। कागज पर दिखाने के लिए कुछ फर्जी काम कर दिया गया है, मगर जमीन पर पुलिस की कार्यशैली में कोई परिवर्तन नहीं आया है। पुलिस पहले अंग्रेजों के लिए काम करती थी और अब उसी शैली में वर्तमान शासक वर्ग के लिए काम कर रही है। मेरा कहने का यह मतलब नहीं कि पुलिस को आप एकदम आजाद कर दीजिए। वह भी ठीक नहीं होगा। पुलिस पर नियंत्रण आवश्यक है, परंतु उसके दैनिक कामकाज में हस्तक्षेप सर्वथा अवांछनीय है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश इसी सिद्धांत के अंतर्गत जारी किए गए थे। ऐसे आदेश को 20 वर्ष हो गए, लेकिन उन्हें लागू कराने के लिए अभी भी संघर्ष जारी है। क्या यह खेद का विषय नहीं है?

पुलिस से संबंधित बहुत से अन्य मुद्दे भी हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश भर में पुलिस के 5.92 लाख पद रिक्त हैं। ये रिक्तियां भी पुरानी स्वीकृतियों के अनुसार हैं। स्वीकृतियों का आकलन किसी प्रदेश में 10 साल, किसी में 20 साल पहले किया गया था। तब से स्थिति बदल चुकी है। आबादी बढ़ गई है। वर्तमान जनशक्ति का आकलन करे तो रिक्तियां शायद 10 लाख या उससे भी अधिक मिलेंगी। इतनी बड़ी आबादी की पुलिसिंग करना कोई आसान काम नहीं है। कामन काज नामक संस्था के एक अध्ययन के अनुसार एक पुलिसकर्मी औसतन 14 घंटे रोज काम करता है। होली-दीवाली के दिन भी वह ड्यूटी पर होता है। यह कहां तक मानवीय है? अधिक से अधिक वह 12 घंटे की ड्यूटी दे सकता है।

पुलिस का काम कम से कम दो शिफ्ट में होना चाहिए। हमारे देश में आतंकियों के मानवविध्वार की चर्चा तो होती है, परंतु पुलिस के मानवाधिकार की कोई बात नहीं करता। पुलिस परिवारों के लिए आवासीय सुविधा भी सर्वथा अपर्याप्त है। नेशनल पुलिस कमीशन ने कहा था कि सभी अराजपत्रित अधिकारियों को परिवारिक आवास मिलना चाहिए, लेकिन इसकी उपलब्धता बहुत सीमित है। ऐसी स्थिति में तमाम पुलिसकर्मियों को साधारण बस्तियों में किराये के मकान में न्यूनतम सुविधाओं के साथ रहना पड़ता है। ऐसे में उनके मनोबल की कल्पना का ज्ञा सकता है। ज्यादातर नामों की हलत भी जर्जर है। संसाधन भी अपर्याप्त हैं। वैज्ञानिक उपकरण नान मात्र के हैं। ट्रेनिंग केवल कागज पर हो जाती है। फर्जी आंकड़ों की भरमार है। पुलिस बजट में पैसा बहुत कम मिलता है, क्योंकि राज्य सरकारें रेवेड्यूआं बांटने में ज्यादा विश्वास करती हैं। जैसे-तैसे पुलिस की गाड़ी चल रही है।

कर्तव्य पालन की राह में तमाम पुलिसकर्मी सर्वोच्च बलिदान भी देते हैं। पिछले स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने यह स्वीकार किया था कि कर्तव्य पालन में पुलिस के बलिदानियों की संख्या सेना से अधिक है। स्वतंत्रता से अब तक करीब 38,000 पुलिसकर्मी बलिदान हो चुके हैं। पुलिस का श्रेय लेने के लिए तो तमाम लोग आगे आ जाते हैं, जबकि पुलिसकर्मी से हमेशा अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी ड्यूटी चुपचाप देता रहे। पुलिस के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई तुरंत और अवसर केवल विरोध को शांत करने के लिए की जाती है। अगर वकीलों पर बल प्रयोग हुआ है, तो वह कितना भी सही रहा हो, खामियाजा पुलिस को ही भुगतान पड़ता है। हाल में दिल्ली में काकोरच जन्ता पार्टी के समर्थकों पर बल प्रयोग हुआ तो पुलिस की कथित ज्यादाती पर जांच हो रही है। बल प्रयोग नहीं किया होता और प्रदर्शनकारी संसद में घुस गए होते तो पुलिस अधिकारियों की नौकरी चली जाती।

कभी उत्तर प्रदेश की पहचान उसके सामर्थ्य से नहीं, उसकी बदहाली से होती थी। अब उसी प्रदेश की पहचान बदलने का दावा है। योगी आदित्यनाथ की पाती इसी बदलाव का खाका सामने रखती है-बीमारू से आर्थिक शक्ति और अवसरों के केंद्र तक पहुंचने का। 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में होने वाला चौथा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो इस दावे को दुनिया के सामने रखने का बड़ा मंच है। यह महज व्यापारिक प्रदर्शनी नहीं, नौ वर्षों की विकास-यात्रा का प्रदर्शन भी है। एमएसएमई और ओडीओपी जैसी योजनाओं से चार करोड़ से अधिक रोजगार अवसरों का दावा, बढ़ता निर्यात तथा निवेश इस परिवर्तन के आधार के रूप में रखे गए हैं। लेकिन असली सवाल यहीं से शुरू होता है-इन आंकड़ों की चमक जमीन पर कितनी बदली हुई जिंदगी में दिखाई देती है।

जिस प्रदेश का नाम कभी पिछड़ेपन, बेरोजगारी और पलायन से जुड़ा था, वही अब अपनी आर्थिक पहचान बदलने की कोशिश में है। विशाल आबादी, कमजोर औद्योगिक आधार, सीमित अवसर और कानून-व्यवस्था की पुरानी छवि ने लंबे समय तक यूपी को ‘बीमारू’ बनाए रखा। अब सरकार इस तस्वीर को बदलकर ‘उत्सव प्रदेश’ की पहचान गढ़ने का दावा कर रही है। इसकी बुनियाद बड़े आयोजनों से अधिक स्थानीय हुरार को बाजार से जोड़ने में है। ‘एक जनपद एक उत्पाद’ ने काशी की रेशमकारी, मुरादाबाद के पीतल और अलीगढ़ के तातों जैसे पारंपरिक उत्पादों को बाजार दिया। अब ‘एक जनपद एक व्यंजन’ इसी सोच को स्वाद और

भारत के लिए

मुसीबत बनते ट्रंप

अमेरिकी संसद से पारित लिंडसे ओ ग्राहम सेंसशनिंग रशिया एंड ईरान बिल, 2026 पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हस्ताक्षर कर दिए हैं। इससे अब यह कानून बन गया है। यह ट्रंप को रूस एवं ईरान से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार देता है। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले का सर्वाधिक असर भारत एवं चीन पर पड़ेगा, क्योंकि ये दोनों देश रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार हैं। इस कानून के तहत भारतीय उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाया जाता है या नहीं, यह राष्ट्रपति ट्रंप पर निर्भर करेगा, क्योंकि उन्हें इसमें छूट देने या समयसीमा घटाने का अधिकार भी है। इस कानून का प्रारम्भिक उद्देश्य रूस और ईरान के ऊर्जा स्रोतों से होने वाली राजस्व आय पर रोक लगाना है, लेकिन इससे अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति शृंखला और वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे हैं। निस्संदेह भारत के लिए यह स्थिति आर्थिक और रणनीतिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण है। जहां रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता है, वहीं अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। यदि अमेरिका भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लागू करता है तो इससे भारतीय निर्यात को भारी झटका लगेगा।

ट्रंप के आर्थिक और व्यापारिक संरक्षणवादी कदमों से भारत के लिए आर्थिक-व्यापारिक चिंताएं बढ़ गई हैं। यह स्थिति मुख्य रूप से अमेरिका के व्यापार, कृषि, बौद्धिक संपदा और श्रम बाजार से जुड़े नीतिगत बदलावों के कारण उत्पन्न हुई है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी और अन्य गैर-आप्रवासी वीजाधारकों को नौकरी छूटने के बाद मिलने वाली 60 दिन की मोहलत को भी खत्म करने का प्रस्ताव दिया है। मौजूदा नियम के अनुसार, नौकरी जाने पर विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका में रहकर दूसरी नौकरी खोजने, वीजा स्थिति बदलने या देश छोड़ने के लिए 60 दिन का समय मिलता है।

यदि इन प्रस्ताव लागू होता है तो नौकरी समाप्त होते ही कर्मचारी का वैध गैर-आप्रवासी दर्जा भी तुरंत खत्म हो जाएगा। ऐसी स्थिति में नई नौकरी मिलने पर भी कर्मचारी को अमेरिका से बाहर जाकर दूतावास के जरिये पुनः आवेदन करना पड़ेगा। इस कदम का सबसे बड़ा असर अमेरिका में काम कर रहे भारतीयों आइटी पेशेवरों पर पड़ेगा, जो बड़ी संख्या में एच-1बी वीजा पर निर्भर हैं। यह प्रस्ताव केवल एच-1बी तक सीमित नहीं है, बल्कि एल-1, ओ-1 और टीएनपी जैसे अन्य वीजा श्रेणियों पर भी लागू होना है।

क्लाइट हाउस की एक रिपोर्ट में भारत समेत 40 से अधिक देशों पर अमेरिकी टैरिफ से बचने के लिए चीन के अवैध री-रूटिंग नेटवर्क का हिस्सा होने का आरोप लगाया गया है। हालांकि भारत सरकार ने अमेरिका की इस रिपोर्ट में लगे आरोपों को खारिज किया है। अमेरिकी संसद में कामकाजी वीजा पर तीन साल तक रोक लगाने संबंधी एक नया और बेहद सख्त विधेयक भी पेश किया गया है।

—धनंजय राजौरा

संस्कृति तक ले जा रहा है। लक्ष्य है—स्थानीय पहचान को बाजार की ताकत और वैश्विक पहचान में बदलना।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की अगली कड़ी है। इस बार जापान, वियतनाम, रूस, सिंगापुर, ऑस्ट्रिया और बेलारूस साझेदार देश हैं। करीब 72 देशों से 600 अंतरराष्ट्रीय खरीदार 2,400 से अधिक प्रदर्शक जुटेंगे। लेकिन सफलता भीड़ या भव्यता से नहीं, कारोबार से तय होगी—विदेशी खरीदार उत्पाद पसंद करने के साथ ऑर्डर दे, दोबारा लौटे और स्थानीय उद्यमी उत्पादन बढ़ाए, तभी यह आयोजन आर्थिक सफलता बनेगा। उत्तर प्रदेश के सामने अब ‘वोकल फॉर लोकल’ को वैश्विक सलाई चेन से जोड़ने की चुनौती है। इसके लिए कारीगर को डिजाइन, पूंजी, तकनीक, गुणवत्ता, पैकेजिंग और निर्यात की समग्र व्यवस्था देनी होगी।

विकास की सबसे बड़ी कसौटी रोजगार है। सरकार पिछले नौ वर्षों में साढ़े नौ लाख सरकारी नियुक्तियों और अगले छह महीनों में एक लाख और नियुक्तियों की बात करती है। एमएसएमई और ओडीओपी से चार करोड़ से अधिक रोजगार अवसरों का दावा भी इसी तस्वीर का हिस्सा है। युवाओं से नौकरी मांगने के बजाय नौकरी देने वाला बनने को कहा जा रहा है। लेकिन उद्यमिता के लिए बैंक ऋण, बाजार, कौशल, तकनीक, बिजली, सरल नियम और कारोबारी भरोसा जरूरी हैं। चार करोड़ अवसरों की असली तस्वीर तभी सामने आएगी, जब पता चले कि कितने स्थायी हैं, कितनों से पर्याप्त आय हो रही है और कितने युवाओं का रोजगार के लिए प्रदेश से बाहर

जाना घटा है। यूपी का सपना तभी मजबूत होगा, जब युवा अपना भविष्य इसी प्रदेश में देख सके।

एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तभी सार्थक है, जब यूपी की संभावनाएं जमीन पर आर्थिक गतिविधि में बदलें। प्रदेश के पास बड़ा बाजार, श्रमशक्ति, कृषि, उद्योग और घरेलू मांग है। एक्सप्रेसवे, औद्योगिक गलियारे, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, पर्यटन, कृषि-प्रसंस्करण और एमएसएमई इसके विस्तार के आधार हैं। कानून-व्यवस्था में सुधार और बुनियादी ढांचा निवेश की जमीन तैयार करते हैं। लेकिन निवेश प्रस्ताव और वास्तविक निवेश अलग हैं। कागज पर दर्ज हजारों करोड़ रुपये तब तक अर्थव्यवस्था नहीं बनते, जब तक कारखाने न लगे, उत्पादन और रोजगार न बढ़े। योगी सरकार के विकास मॉडल की असली परीक्षा घोषणाओं और नतीजों के बीच की दूरी घटाने में है।

विकास की यह तस्वीर राजनीतिक संदर्भ से अलग नहीं है। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले विकास, निवेश, कानून-व्यवस्था और बुनियादी ढांचे की उपलब्धियां स्वाभाविक रूप से राजनीतिक महत्व रखती हैं और सरकार उन्हें व्यापक विकास-वृत्तांत के रूप में प्रस्तुत कर रही है। लेकिन लोकतंत्र में उपलब्धि का अंतिम पैमाना प्रचार नहीं, नागरिक का अनुभव है। किसान की आय, महंगाई, रोजगार की गुणवत्ता, छोटे कारोबारी की स्थिति और गांव-कस्बों तथा बड़े शहरों के बीच अवसरों का अंतर ही असली सवाल हैं। नोएडा का चमकता रंग तभी पूरे यूपी की तस्वीर बनेगा, जब बलिया, बहराइच, बुंदेलखंड, मुरादाबाद और चित्रकूट

उठरा देना भी। आज एआई ने शिक्षा के सामने एक बिल्कुल नई चुनौती खड़ी कर दी है। चैटजीपीटी जैसे उपकरण ज्ञान प्राप्त करने, शोध करने और सीखने में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन परीक्षा में अनुचित तरीके से इनका इस्तेमाल शैक्षणिक ईमानदारी का प्रश्न बन जाता है। इसलिए केवल प्रतिबंध पर्याप्त नहीं होंगे।

विश्वविद्यालयों को यह स्पष्ट करना होगा कि एआई का उपयोग कहाँ स्वीकार्य है, कहाँ निषिद्ध है और उल्लंघन की स्थिति में कौन-सी पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। शिक्षकों को भी केवल ढंड देने वाले अधिकारी की भूमिका से आगे बढ़कर मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। साहित्य प्रकरण ने जागित भेदभाव के आरोपों को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है, जबकि संस्थान की ओर से यह कहा गया कि छात्र ने पहले एससी/एसटी सेल या प्रशासन के समक्ष ऐसी शिकायत नहीं की थी। इन दोनों पक्षों में से सत्य क्या है, इसका निर्णय जांच के बाद ही हो सकता है। लेकिन इससे एक व्यापक तथ्य सामने आता है-किसी भी विद्यार्थी को अपनी जाति, जातिस्थिति, भाषा, क्षेत्र या सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण स्वयं को अकेला या असुरक्षित महसूस नहीं होना चाहिए।

भारत में उच्च शिक्षा को लेकर नियामकीय ढांचा भी लगातार अधिक जवाबदेही और छात्र-केंद्रित व्यवस्था से ओर बढ़ रहा है। यूजीसी की 2023 की छत्र शिकायत निवारण प्रदर्शनी नियमावली के साथ-साथ 2026 में प्रमोशन आफ इक्रिटी इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन भी सूचीबद्ध है। इसका मूल उद्देश्य यही होना चाहिए कि विद्यार्थी के अधिकार सुरक्षित रहें, शिकायतों का स्वतंत्र और समयबद्ध निवारण हो तथा संस्थान अपनी जिम्मेदारी से बच न सके। लेकिन यहां एक सावधानी भी आवश्यक है। कानून का अर्थ यह नहीं हो सकता कि हर दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद बिना जांच किसी शिक्षक या अधिकारी को अपराधी घोषित कर दिया जाए। शिक्षक निश्चित रूप से कानून से ऊपर नहीं हैं, लेकिन वे कानून की प्रक्रिया से नीचे भी नहीं हैं। यदि किसी शिक्षक ने भेदभाव, उत्पीड़न, धमकी या अन्य गैरकानूनी आचरण किया है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन यदि उसने संस्थागत नियमों के तहत अकादमिक कदाचार पर कार्रवाई की है, तो उस कार्रवाई की वैधानिकता और अनुपातिकता की जांच भी उतनी ही जरूरी है। यही न्यायपूर्ण व्यवस्था का आधार है।

सबसे चिंताजनक पहलू तब सामने आता है जब किसी दुखद घटना के बाद विश्वविद्यालय का परिसर राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनने लगता है। राजनीतिक दलों और बाहरी संगठनों को छात्रों की आवाज उठाने का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन शिक्षा परिसर की मूल प्रकृति बची रहनी चाहिए। यदि हर प्रशासनिक निर्णय राजनीतिक नारों, धरनों और दबाव की

प्रतिश्ठा यानी 6,887 रुपये बढ़ा, जबकि खर्च 28 प्रतिशत बढ़ा। अध्ययन के अनुसार, महाराष्ट्र में अतिरिक्त एक रुपये में करीब 90 पैसे खर्च हुए। यानी नकद सहायता तत्काल जरूरतें पूरी करने के साथ निम्न-आय परिवारों की आर्थिक कमी भरती और वित्तीय सुरक्षा देती है।

महिला के खते में आया पैसा घर की अर्थव्यवस्था के साथ उसकी स्थिति भी बदल सकता है। भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा और बच्चों की जरूरतों पर खर्च की स्वतंत्रता बढ़े तो उसका असर अगली पीढ़ी तक जा सकता है। बैंक खाते और डीबीटी न बिचौलियों की भूमिका घटाकर भुगतान को अधिक प्रत्यक्ष बनाएंगे हैं। डिजिटल लेन-देन से वित्तीय समावेशन भी बढ़ सकता है। लेकिन खाते का मालिक होना और पैसे पर वास्तविक नियंत्रण होना एक बात नहीं है। बैंकिंग सुविधा दूर हो, डिजिटल साक्षरता कम हो या परिवार का कोई अन्य सदस्य खाते और मौज्जाद पर नियंत्रण करता हो, तो कागजी स्वायत्तता वास्तविक स्वायत्तता में नहीं बदलती। इसलिए नकद के साथ बैंकिंग सहायता, डिजिटल ज्ञान और वित्तीय साक्षरता जरूरी है।

लेकिन इस तस्वीर का दूसरा पहलू भी है, जिसे उत्साह में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पीआरएस के अनुसार, 2025-26 में इन 12 राज्यों में छह ने राजस्व घाटे का अनुमान लगाया था। रिपोर्ट ने रेखांकित किया कि नकद हस्तांतरण पर बढ़ता खर्च दूसरी उत्पादक मंदी के लिए राज्यों की वित्तीय गुंजाइश प्रभावित कर सकता है। मध्य प्रदेश में 2025-26 के बजट अनुमान में नकद हस्तांतरण के लिए 20,821 करोड़ रुपये का प्रावधान था, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद का करीब 1.23 प्रतिशत था। इसलिए सवाल यह नहीं कि महिला को आर्थिक सुरक्षा मिलनी चाहिए या नहीं; असली सवाल है कि इसकी कीमत क्या है। और इसे लंबे समय तक वित्तीय रूप से कैसे टिकाया जाएगा। नकद सहायता पर बड़ा सवाल निर्भरता और अवसर-लागत का है। राज्य की सीमित आय का बड़ा

का छोटा उद्यमी भी कह सके कि उसके कारोबार के अवसर संचमुच बढ़ते हैं।

उत्तर प्रदेश की ताकत केवल सरकारी योजनाओं में नहीं, उसकी विविध स्थानीय पहचान और सामाजिक-सांस्कृतिक पूंजी में भी है। ब्रज की संस्कृति, अवध का स्वाद, पूर्वांचल का श्रम, बुंदेलखंड की जीवदत्ता और पश्चिमी यूपी की औद्योगिक क्षमता मिलकर एक बड़े आर्थिक प्रदेश की ताकत बनती हैं। इन्हें बाजार, पर्यटन और निर्यात से जोड़ने पर संस्कृति केवल विरासत नहीं रहती, आय का स्रोत बनती है। यही ‘उत्सव प्रदेश’ की सार्थकता है—उत्सव के पीछे उत्पादन, उत्पादन के पीछे बाजार और बाजार के साथ आम आदमी की बढ़ती आया। सपना बड़ा है, इसलिए उसकी परीक्षा भी बड़ी होगी। ‘बीमारू’ की छवि न एक दिन में बनी थी, न किसी एक आयोजन से मिटेगी; यह लंबी आर्थिक यात्रा है, जिसमें ट्रेड शो एक महत्वपूर्ण पड़ाव हो सकता है, मंजिल नहीं। असली बदलाव तब दिखेगा, जब यूपी के उत्पाद एक्सपो की दीवारों से निकलकर दुनिया के बाजारों तक पहुंचें; कारीगर को बिचौलिया नहीं, सीधा बाजार मिले; युवा को पलायन नहीं, अपने प्रदेश में अवसर दिखे; और निवेश प्रस्ताव कारखानों, उत्पादन और रोजगार में बदलें। तभी ‘उत्सव प्रदेश’ सरकारी शब्द नहीं, उत्तर प्रदेश की नई आर्थिक पहचान बनेगा। जो प्रदेश कभी ‘बीमारू’ कहलाने की विश्वासता से जुझता था, वह अब अपने भाग्य का निर्माता बनने की राह पर है। सपना घोषित हो चुका है—अब उसकी सच्चाई परिणाम लिखे।

—प्रो. आरके जैन

आईआईटी बॉम्बे के छात्र आत्महत्या से जुड़े सवाल

राजनीति से तय होने लगे तो विश्वविद्यालय में अकादमिक स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर यदि प्रशासन छात्रों की आवाज को केवल आंदोलन या राजनीति कहकर खारिज कर दे तो संस्थागत विश्वास और कमजोर होगा। रास्ता दोनों के बीच है-संवाद, पारदर्शिता और स्वतंत्र जांच। आईआईटी जैसे संस्थानों से देश केवल इंजीनियर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक भी तैयार करने की अपेक्षा करता है। इसलिए सफलता का पैमाना केवल प्लेमेंट, रैंकिंग, पेटेंट और वैश्विक प्रतिष्ठा नहीं हो सकता। यह भी देखना होगा कि वहां विद्यार्थी अपने प्रश्न कितनी सहजता से उठा सकता है, शिक्षक से असहमति कितनी सुरक्षित है, शिकायत का समाधान कितनी जल्दी होता है और संकट की घड़ी में संस्थान छात्र के साथ किस तरह खड़ा होता है।

साहित् की मृत्यु को किसी एक प्रोफेसर, किसी एक प्रशासनिक निर्णय या किसी एक राजनीतिक संगठन तक सीमित कर देना इस त्रासदी के व्यापक संदेश को छोटा कर देगा। असली प्रश्न यह है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था प्रतिभा के साथ संवेदना, अनुशासन के साथ संवाद और अधिकार के साथ जवाबदेही का संतुलन कैसे बनाए? छात्रों को ईमानदार होना सीखना होगा, शिक्षकों को संवेदनशील होना होगा, संस्थानों को पारदर्शी होना होगा और सरकार तथा नियामक संस्थाओं को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें कानून सुरक्षा का माध्यम बने, भय का नहीं। भारत को यदि अपनी उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित बनाना है तो केवल विश्व रैंकिंग में ऊपर जाना पर्याप्त नहीं होगा। हमारे विश्वविद्यालयों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां अकादमिक ईमानदारी से कोई समझौता न हो, लेकिन गलती करने वाले विद्यार्थी के लिए सुधार का रास्ता भी बंद न हो। जहां शिक्षक की गरिमा सुरक्षित हो, लेकिन शिक्षक की शक्ति निरंकुश न हो। जहां छात्र की आवाज सुनी जाए, लेकिन हर निर्णय सझक के दबाव से न हो।

आईआईटी जैसी शिक्षण संस्थाएं ज्ञान, संवाद और चरित्र निर्माण के केंद्र हैं-उन्हें राजनीतिक अखाड़ा बनने से बचना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उन्हें जवाबदेही से मुक्त रखना भी नहीं है। सवाल यह नहीं कि छात्र आंदोलन क्यों कर रहे हैं या राजनीति क्यों पहुंच रही है, बड़ा सवाल यह है कि ऐसी परिस्थितियां बार-बार पैदा हो क्यों होती हैं? जब तक इस प्रश्न का संस्थागत उत्तर नहीं खोजा जाएगा, तब तक हर नई घटना के बाद विरोध, जांच, आरोप और कार्रवाई का चक्र चलता रहेगा। भारतीय शिक्षा व्यवस्था को अब इस चक्र से आगे बढ़कर ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें अनुशासन भी हो, न्याय भी, उत्कृष्टता भी हो और मानवीयता भी। तभी हम विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान बनाने के अपने संकल्प को वास्तविक अर्थ दे सकेंगे।

—ललित गर्ग

राजकोष पर बोझ या घर में क्रांति? असली सवाल यही है

हिस्सा नियमित नकद भुगतान में जाए तो सड़क, सिंचाई, स्कूल, अस्पताल, कौशल और रोजगार जैसी दीर्घकालिक जरूरतों के लिए कम गुंजाइश बच सकती है। लेकिन नकद को केवल ‘मुफ्त की रकम’ कहना भी सरलीकरण होगा। नियमित आय गरीब परिवारों को कर्ज के दबाव से निपटने, जरूरी खर्च टालने से बचने और आर्थिक फैसले लेने में मदद कर सकती है। इसलिए सवाल ‘नकद या विकास’ का नहीं, बल्कि नकद सुरक्षा को रोजगार, कौशल और संपत्ति निर्माण से जोड़ने का है। लक्ष्यीकरण भी अहम है—दीला हो तो संसाधन गलत जगह जा सकते हैं और कठोर हो तो जरूरतमंद महिलाएं बाहर रह सकती हैं। आगे की राह ‘कैश’ नहीं, ‘कैश प्लस’ होनी चाहिए। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के 2026 के अध्ययन ने नकद हस्तांतरण को कौशल-विकास, डिजिटल साक्षरता और स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने तथा लाभार्थियों और राशि की समय-समय पर समीक्षा की जरूरत बताई है। मध्य प्रदेश की लाड़ली बहना जैसी योजना में नियमित सहायता के साथ सिलाई, पशुपालन, खाद्य-प्रसंस्करण, छोटे व्यापार, स्वयं सहायता समूह और बाजार से जुड़ने के अवसर मिलें, तो रकम उपभोग से आगे आय का साधन बन सकती है। यह भी सार्वजनिक होना चाहिए कि कितने लाभार्थी हैं, कितना पैसा पहुंचा, कितनी शिकायतें आईं और स्वतंत्र मूल्यांकन में क्या परिणाम मिले। लोकप्रिय योजना को जवाबदेह बनाना अगली परीक्षा है। महिलाओं को नकद हस्तांतरण की ‘चुपचाप क्रांति’ विधानसभा से ज्यादा घर में दिखती है-जहाँ नारा भाषण नहीं, बैंक का संदेश है और परिणाम केवल खर्च नहीं, निर्णय लेने की क्षमता है। 12 राज्यों में करीब 1.68 लाख करोड़ रुपये का पैमाना बताता है कि यह अब सीमित कल्याण कार्यक्रम नहीं रहा। इसके लाभ हैं आर्थिक सुरक्षा, बचत, उपभोग, घरेलू सौदेबाजी और वित्तीय समावेशन; चुनौतियाँ हैं राजकोषीय दबाव, अवसर-लागत, लक्ष्यीकरण और निर्भरता।

—कृति आरके जैन



मनुष्य के जीवन में एक ऐसी खोज निरंतर चलती रहती है, जो बाहरी संसार की उपलब्धियों से कहीं आगे है अपने वास्तविक स्वरूप को जानने की खोज। हम सुख, सफलता और शांति की तलाश में अनेक साधन अपनाते हैं, लेकिन स्थायी संतोष तब अनुभव होता है, जब हमारा ध्यान अपने भीतर की ओर मुड़ता है। यही अंतर्मुखी यात्रा आध्यात्मिक जागरण की शुरुआत बन सकती है। आध्यात्मिक जागरण का अर्थ है अपने भीतर मौजूद चेतना के प्रति जागरूक होना। यह हमें केवल बाहरी परिस्थितियों से प्रभावित होने के बजाय अपने विचारों, भावनाओं और व्यवहार को समझने का अवसर देता है। जब व्यक्ति स्वयं को जानने का प्रयास करता है, तब उसके जीवन में आत्मचिंतन, सजगता और संतुलन का विकास होने लगता है। सहजयोग इसी आंतरिक यात्रा को सफा बनाने वाली ध्यान-साधना है । इसमें कुंडलिनी शक्ति के जागरण और आत्म-साक्षात्कार की प्राप्ति महत्वपूर्ण होती है। आत्म-साक्षात्कार का आशय अपने भीतर की चेतना का अनुभव करना है। यह केवल किसी विचार या मान्यता को स्वीकार करना नहीं, बल्कि ध्यान और साधना के माध्यम से अपने अंदर होने वाले परिवर्तन को अनुभव करना है। सहजयोग ध्यान में निर्विचारिता की अवस्था महत्वपूर्ण है। निरंतर विचारों से भरे मन को कुछ समय के लिए शांत करना व्यक्ति को वर्तमान क्षण में रहने और अपने भीतर की शांति को महसूस करने का अवसर देता है। नियमित ध्यान के अभ्यास से व्यक्ति अपने विचारों और भावनाओं को अधिक सजगता से देखना सीखता है। आध्यात्मिक विकास का प्रभाव जीवन के अन्य क्षेत्रों पर भी पड़ता है। जब व्यक्ति अपने भीतर संतुलन विकसित करता है, तो उसके व्यवहार, संबंधों और दैनिक जीवन में भी अधिक सहजता और संवेदनशीलता आती है। वह परिस्थितियों को अधिक शांत मन से देखने और स्वयं को बेहतर समझने लगता है। आत्म-साक्षात्कार कोई बाहरी उपलब्धि नहीं, बल्कि स्वयं को जानने की एक आंतरिक स्थिति है। यह स्थिति हमें अपने जीवन के प्रति अधिक सजग बनाती है और भीतर छिपी शांति तथा आनंद को अनुभव करने का अवसर देती है। आइए, कुछ क्षण अपने लिए निकालें, ध्यान के माध्यम से भीतर की ओर कदम बढ़ाएँ और स्वयं को जानने की इस सुंदर यात्रा का अनुभव करें।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पर राष्ट्रभक्ति का महागान, 25 सितंबर को करोड़ों कंटो से एक साथ गूजेगा ‘वंदे मातरम’

आयोजन की तैयारियों को लेकर योजना बैठक सम्पन्न, सरस्वती शिशु मंदिरों में होगा सामूहिक गायन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय ‘वंदे मातरम्’ के 150 वर्ष पूर्ण होने के गौरवशाली अवसर पर 25 सितंबर 2026 को प्रातः 11 बजे सम्पूर्ण भारत में करोड़ों कंटो से एक साथ, एक स्वर और एक लय में सामूहिक वंदे मातरम् गायन का ऐतिहासिक महाअभियान आयोजित किया जाएगा। आयोजन को भव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए देवास जिले की योजना बैठक 21 सितंबर को सम्पन्न हुई। बैठक देवास ग्राम भारती जिला कार्यालय, निर्माणाधीन स्थल, भोंसले कोलौनी स्थित नाटु प्रशिक्षण अनुसंधान केंद्र



में आयोजित की गई। इसमें सामूहिक वंदे मातरम् गायन टास्क फोर्स,

प्राचार्य एवं संकुल प्रमुखों ने सहभागिता की। देवास नगर सहित जिले के समस्त सरस्वती शिशु मंदिरों में कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर आयोजित करने की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं देवास ग्राम भारती अध्यक्ष गुरुचरण जी

वर्मा, प्रांतीय सह सचिव एवं देवास ग्राम भारती सचिव विष्णु जी आर्य, कोषाध्यक्ष

नरेंद्र जी पाटीदार, जिला समिति सदस्य किशोर सिंह जी राजपूत एवं देवास जिला प्रमुख जसपाल सिंह जी सेंधव विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रांतीय सह सचिव विष्णु प्रसाद जी आर्य ने वंदे मातरम् के वास्तविक अर्थ एवं इसके ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश के क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों की घोर यातनाएं सहने के बावजूद ‘वंदे मातरम्’ का उद्घोष करते हुए हंस्ते-हंस्ते फांसी के फंदे को गले लगाया। ऐसे राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गीत का पूरे देश में एक ही समय पर सामूहिक गायन होना गौरव का विषय है। जिला प्रमुख

जसपाल सिंह सेंधव ने जिले के सभी प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यक्रम के संयोजकों, साक्षियों एवं अध्यक्षों को आमंत्रित कर उनकी अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करें। उन्होंने क्षेत्र के सभी नागरिकों, छात्र-छात्राओं एवं मातृशक्ति से राष्ट्रीय के सम्मान में इस ऐतिहासिक आयोजन में सहभागी बनने का आह्वान किया। आयोजकों ने बताया कि 25 सितंबर को सुबह 11 बजे देशभर में एक साथ करोड़ों कंटों से ‘वंदे मातरम्’ का सामूहिक गायन कर इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने का प्रयास किया जाएगा।

हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की’ के जयघोष से गूँजा नागदा



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डोल ग्यारस के पावन पर्व पर मंगलवार को नागदा क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का माहौल रहा। पर्व की परंपरा के अनुसार क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों से भगवान श्रीकृष्ण के डोल आकर्षक रूप से सजाकर डोल-धमकों और भक्ति गीतों के साथ नगर भ्रमण के लिए निकाले गए। डोल यात्रा के दौरान श्रद्धालु ‘हाथी घोड़ा

पालकी, जय कन्हैया लाल की’ के जयघोष लगाते हुए भक्ति में लीन नजर आए। गांव के वसूली पटेल गोपाल पटेल ने बताया कि प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी विभिन्न मंदिरों से भगवान श्रीकृष्ण के डोल निकाले गए। नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने डोल के दर्शन कर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की तथा सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद सभी डोलों को पनवाड़ी तालाब ले जाया गया, जहां विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण को स्नान कराया गया। तालाब पर डोलों के पहुंचने के साथ ही पूरा वातावरण भक्ति और जयघोष से गूंज उठा। स्नान के पश्चात सभी डोल एक साथ राधा-कृष्ण मंदिर पहुंचे। यहां महिलाओं ने श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान श्रीकृष्ण की गोद भराई की रस्म संभव की। इस दौरान मंदिर परिसर में महिलाओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की भव्य महाआरती की गई। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से आरती में शामिल होकर भगवान से क्षेत्र की खुशहाली, सुख-समृद्धि और परिवारों में मंगल की कामना की। उक्त जानकारी वीकेश मोदी ने दी।

पुलिस प्राईड ऑफ द वीक में सम्मानित हुए पुलिसकर्मी



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एसपी प्रियंका शुक्ला द्वारा पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों के प्रति प्रोत्साहित करने एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस प्राईड आफ द वीक के सम्मान से पुलिसकर्मियों को

सम्मानित कर उन्हें अवार्ड दिया। जिन्होंने 14 से 20 सितंबर तक जिले में अपराधों की पतारसी, चोरी गई संपत्ति की बरामदगी एवं यातायात नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए उत्कृष्ट कार्य किया। इनमें थाना अर्बनितपुर बड़ोदिया के प्रधान आरक्षक श्रवण सिन्हा, आरक्षक कमलेश आवले, आरक्षक बलू वर्मा एवं आरक्षक ललित वर्मा ने अज्ञात आरोपियों द्वारा एमपीईबी उपकेन्द्र से करीब 2.50 लाख कीमत के 08 बंडल एल्युमिनियम विद्युत तार चोरी कर ले जाने की घटना में पुलिस टीम द्वारा प्रभावी पतारसी करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। थाना सुनरा के उप निरीक्षक अंकित मुकाती, आरक्षक तेजपाल राणा एवं आरक्षक चालक शैलेन्द्र सिंह ने 17 सितंबर को हाईवे पर शराब के नशे में लापरवाहीपूर्वक एवं लहपते हुए रोड पर स्टंट करते हुए ट्रक चलाते वाले चालक को पकड़ा गया। उक्त सभी पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा अपने कर्तव्यों का उत्कृष्ट एवं सराहनीय निर्वहन करते हुए अपराध की पतारसी, चोरी गई संपत्ति की बरामदगी एवं यातायात नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। इनके उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए एसपी श्रीमती शुक्ला द्वारा सभी को पुलिस प्राईड आफ द वीक के सम्मान से सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

सात दिन में नहीं हुआ खुलासा तो करेंगे चक्काजाम



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के आदर्श नवीन नगर में करीब एक माह पहले हुई करीब 20 लाख की हुई करीब 20 लाख रुपए की चोरी का एक महीने बाद भी सुराग नहीं लगने से पीड़ित परिवार और ग्रामीणों में गुस्सा है। मंगलवार को मदना गांव के ग्रामीण, समाज के लोग और पीड़ित परिवार एसपी कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और एसपी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने जल्द चोरी का खुलासा करने की मांग की। जानकारी के अनुसार आदर्श नवीन नगर निवासी लखन कुंभकार के घर 28 अगस्त की रात अज्ञात बदमाशों ने धावा बोला था। वे करीब 20 लाख रुपए का सामान चोरी कर ले गए। इस घटना की शिकायत 29 अगस्त को एबी रोड स्थित कोतवाली थाने में दर्ज कराई गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि घटना को एक महीना पूरा हो गया है। लेकिन पुलिस न तो आरोपियों तक पहुंच पाई है और न ही चोरी का माल बरामद हुआ है। ग्रामीणों ने जापन में पुलिस प्रशासन को सात दिन का समय दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर सात दिन में चोरी का खुलासा नहीं हुआ तो 29 सितंबर को पीड़ित परिवार, मदना के ग्रामीण और शहरवासी कोतवाली थाने का घेराव करेंगे। इसके साथ ही चक्काजाम आंदोलन भी किया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि अगर आंदोलन की स्थिति बनती है तो इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

एक माह बीता, नहीं लगा सुराग- फरियादी सर्वाईसिंह सिसोदिया ने बताया कि चोरी की घटना को एक महीना बीत चुका है। लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस दौरान एसपी कार्यालय परिसर में ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की।

जिला ग्रंथालय में साहित्यिक सभागार की मांग



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए स्थायी मंच बनाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय साहित्य परिषद के पदाधिकारियों और साहित्यकारों ने मंगलवार को

विधायक अरुण भीमावद को ज्ञापन सौंपा। जिसमें हरायपुरा स्थित जिला नवीन ग्रंथालय भवन की दूसरी मंजिल पर सभागार बनाने की मांग की गई। इसके लिए साहित्यकारों ने 12 से 15 लाख के खर्च का अनुमान भी लगाया।

साहित्यकारों ने जापन में 20इ60 फीट क्षेत्र में सभागार बनाने का प्रस्ताव दिया है। इसमें शेड, फर्श, बिजली और फर्नीचर समेत अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई। इसके निर्माण पर करीब 12 से 15 लाख रुपए खर्च होने का अनुमान है। राशि विधायक निधि से देने की मांग की गई है। जापन में बताया कि शहर में बौद्धिक चर्चा, काव्य गोष्ठी, पुस्तक विमोचन और साहित्यिक कार्यशालाओं के लिए उपयुक्त सभागार नहीं है। ग्रंथालय में सभागार बनने से साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों को स्थायी मंच मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए सेमिनार और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए जा सकेंगे। इस दौरान अखिल भारतीय साहित्य परिषद के अध्यक्ष जितेंद्र देवतवाल ‘ज्वलंत’, राजेंद्र नागर, सज्जाद अहमद कुरैशी, डॉ. राजेंद्र भट्ट, योगेश उपाध्याय, संतोष शर्मा, मशहूर शाजापुरी और कैलाश गौड़ सहित अन्य साहित्यकार मौजूद थे।

कलाकारों ने दिखाए हैरतंगेज करतब, धूमधाम से निकले डोल

जिले भर में धूमधाम से मनाया जलझूलनी एकाशी पर्व, देर रात तक नगर में रहा उल्लास और उत्सव का वातावरण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर सहित जिलेभर में डोल ग्यारस पर्व बुधवार को धार्मिक आयोजनों के साथ पूरे उत्साह से मनाया गया। एक दिन पहले से ही डोल ग्यारस को लेकर नगर में तैयारियां होने लगी थी। बुधवार को नगर में अनेक स्थानों पर भंडारे का आयोजन हुआ। वहीं शाम को निकले डोल के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। इसके बाद भगवान श्री कृष्ण डोल में बैठकर अखाड़ों के साथ निकले। भक्तों ने जगह-जगह प्रभू की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।

सुबह से नगर का माहौल धर्ममय हो गया था। धार्मिक संगठनों ने डोल के स्वागत के लिए जगह-जगह फंडाल और मंच सजाए। बस इंतजार था भगवान कृष्ण के डोल व अखाड़ों का। शाम करीब 5 बजे सरकारी डोल से आयोजन की शुरुआत हुई। इसके बाद शाम को नगर के विभिन्न क्षेत्रों से कई समाजों के झिलमिल करते डोल अखाड़ों के साथ निकलना शुरू हुए। नगर में डोल



के साथ विभिन्न समाजों के अखाड़े शामिल हुए और अखाड़ों के कलाकारों ने एक से एक करतब दिखाकर सभी को अचंभित कर दिया। भावसार मोहल्ला क्षेत्र से निकले अखाड़े के कलाकारों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। डोल के दर्शन और अखाड़े के कलाकारों की कलाकारी देखने के लिए शाम से ही सड़क के दोनों ओर सैकड़ों लोगों की भीड़ पहले से ही जमा हो गई थी।

महिलाओं ने डोल का पूजन कर ग्रहण किया अत्र- डोल ग्यारस पर्व पर दिनभर व्रत रखने के

बाद महिलाओं सहित अन्य भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण के डोल का इंतजार था और शाम को जैसे ही डोल निकले महिलाओं ने डोल में विराजे भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना की और मनोकामना पूरी होने व सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। नगर के मुख्य मार्गों से रातभर निकले समस्त डोल धानमंडी स्थित भगवान ओंकारेश्वर मंदिर में एकत्रित हुए। जहां सभी की एकसाथ पूजा की गई।

सांफा बांधकर किया स्वागत-नगर में डोल-ढमाके व बैंडबाजे के साथ निकले अखाड़ों के उस्तादों का विभिन्न संगठनों और गुप्तों के पदाधिकारियों ने सांफा बांधकर स्वागत किया गया। साथ ही शीलू भी प्रदान की गई। वहीं विभिन्न धार्मिक संगठनों ने मंच बनाकर फलाहारी खिचड़ी और लड्डू का वितरण किया। गया। शाम 4 बजे से मंच से प्रसादी बंटना शुरू हो गई थी, यह सिलसिला रात तक चलता रहा और नगर में एक बार फिर नगरवासी श्री कृष्ण की भक्ति में डूबे नजर आए।

हिमांशी की 9 उपवास की तपस्या पूर्ण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के जैन समाज की सुश्राविका हिमांशी सक्षम गोलेछ द्वारा नौ उपवास की तपराधना सकुशल पूर्ण की गई। चातुर्मास काल अंतर्गत

नगर में विराजित त्याग और संयम के प्रतीक पूज्य गुरुदेव कठोर तपसाधक स्थानकवासी संतश्री शीतलराजजी महाराज के पावन सान्निध्य में नगर में तपराधना का

सिलसिला निरंतर जारी है। इसी कड़ी में श्री सिद्धाचल वीरमणि तीर्थ धाम शाजापुर ट्रस्ट मंडल के सचिव एवं समाजसेवी मनोज गोलेछ की पुत्रवधू हिमांशी सक्षम गोलेछ द्वारा 9 उपवास

की उग्र तपस्या गुरुदेव के आशीर्वाद से सकुशल पूर्ण की गई है। नगर के समाजजनों द्वारा हिमांशी की तपराधना की अनुमोदना करते हुए उनका बहुमान किया गया।

बायपास निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण का विरोध करने पहुंचे ग्रामीण मोहन बड़ोदिया के लोगों ने साँपा ज्ञापन, कलेक्टर कार्यालय में की नारेबाजी



ज्ञापन सौंपा और भूमि चयन प्रक्रिया पर आपत्ति दर्ज कराई।

अधिग्रहण किया तो भारी रकम का बढ़ेगा बोझ- ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि प्रस्तावित बायपास कुच्छरिया गेट के सामने से शुरू होकर पीटडा जोड़ से पहले तक बनाया जाना है। मोटाखुयूडी का सर्वे ग्राम जमलाय की भूमि सर्वे क्रमांक 322 से शुरू होकर मोहन बड़ोदिया की कांकड़ स्थित सरकारी भूमि सर्वे क्रमांक 1188 से होते हुए सर्वे क्रमांक 164 तक प्रस्तावित है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस रास्ते में करीब

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोहन बड़ोदिया में प्रस्तावित बायपास निर्माण को लेकर ग्रामीणों के किसानों और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। जिन्होंने 200 मीटर दूर स्थित वैकल्पिक मार्ग का सुझाव भी दिया। साथ ही जापन सौंपकर सर्वे तुरंत रोकने और दोबारा जांच कराने की मांग की।

किसान और स्थानीय लोग बायपास के मामले में कलेक्टर से मिलने पहुंचे थे। हालांकि उन्हें कलेक्टर कार्यालय के अंदर जाने से रोक दिया गया। पुलिस ने चैनल गेट लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। इस पर लोगों ने नारेबाजी करते हुए विरोध जताया और चैनल गेट के बाहर धरना शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए एसडीएम ने प्रदर्शनकारियों से बात की। बाद में पांच लोगों के प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम से मुलाकात कर

90 प्रतिशत जमीन निजी है। इसके अधिग्रहण में सरकार को मुआवजे के तौर पर बड़ी रकम खर्च करनी पड़ेगी। ग्रामीणों ने करीब 200 मीटर दूर एक वैकल्पिक मार्ग का सुझाव दिया है।

90 प्रतिशत सरकारी जमीन, बच जाएगा मुआवजे का खर्च- ग्रामीणों ने बताया कि सर्वे क्रमांक 743 से सिमरोल की कांकड़ होते हुए मटेवा जोड़ के सर्वे क्रमांक 406 तक करीब 60 फीट चौड़ी सरकारी जमीन पहले से मौजूद है। यह रास्ता अभी भी उपयोग हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से बायपास बनाने पर करीब 90 प्रतिशत जमीन सरकारी होने से मुआवजे का खर्च बच जाएगा। साथ ही, यह रास्ता बिजाना होते हुए शाजापुर से जुड़ता है, जिससे भविष्य में यहां शाजापुर पहुंच मार्ग का चौराहा भी बन सकता है।

गणेश पांडाल में गूंजी सुंदरकांड की चौपाइयां



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के सक्रिय सामाजिक संगठन सूर्या रूप एवं श्री सांवरिया गणेश भक्त मंडल द्वारा स्टेशन रोड पर विराजित श्री गजानंद गणेश की महाआरती का आयोजन किया गया।

इस दौरान मुख्य रूप से सर्वे हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर, वरिष्ठ पदाधिकारी अजेन्द्रसिंह सिकरवार, राजेश पारखे,

सत्या वात्रे, बंटी सिकरवार, अतुल पालीवाल, दशहरा उत्सव समिति संयोजक दीपक निगम, सचिव गोविंद देवतवाल, कोषाध्यक्ष दिलीप सिंदल, नगर पालिका सभापति सतीश राठौर तथा दिनेश सौराष्ट्रीय की उपस्थिति में महाआरती का आयोजन किया गया। इसके उपरंत श्रीकृष्णभजन सुंदरकांड पाठ मंडल संजय पाटीदार - देवेन्द्र पाटीदार द्वारा संगीतमय सुंदरकांड की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सुनील नाहर, समाजसेवी जगदीशसिंह सिसोदिया, गोकुलसिंह पंवार, अशोकनाथ योगी, बाबुलाल सोलंकी, महेंद्र आर्य, वरूणदास बैरागी, अशोक सोनी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इस दौरान अतिथि के रूप में उपस्थित सर्वे हिंदू उत्सव समिति एवं दशहरा उत्सव समिति के नवनियुक्त पदाधिकारियों का आयोजनकर्ता सूर्या रूप के सदस्यों मंगल नाहर, चंचलनाथ योगी, सुनील वर्मा, ईश्वरसिंह पंवार, सचिन भदौरिया, डॉ. जितेन्द्र पंवार, अर्जुन चौधरी, शेखर वर्मा तथा सांवरिया गणेश भक्त मंडल के सदस्यों रिकू जैन, संदीप योगी, यश अग्रवाल, हर्षित रामड़िया, लज्ज नागर, नैतिक भदौरिया, उत्सव नागर, नैतिक योगी तथा श्रीम जैन द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया।

क्यूआर कोड से भुगतान पर MDR की आहट

बदनावर के व्यापारियों ने बंद किए डिजिटल पेमेंट, आम जनता परेशान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डिजिटल इंडिया के दौर में जहां आम जनता से लेकर व्यापारी तक कैशलेस लेनदेन और UPI भुगतान के आदी हो चुके हैं, वहीं मचेंट डिस्काउंट रेट लागू होने की खबरों ने स्थानीय बाजारों का गणित बिगाड़ दिया है। 15 अक्टूबर से देशभर में क्यूआर कोड और यूपीआई लेनदेन पर MDR नियम लागू होने की सुगन्हाहट के बीच बदनावर के कई छोटे-बड़े व्यापारियों ने अपनी दुकानों से क्यूआर कोड हटा लिए हैं और ऑनलाइन भुगतान स्वीकार करना बंद कर दिया है। इसका सीधा असर उन आम ग्राहकों पर पड़ रहा है, जिन्हें अब हर छोटे-बड़े सामान के लिए नकद लेन-देन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में चाय-नाश्ते की दुकान से लेकर कपड़े, किराना और हार्डवेयर स्टोर्स तक डिजिटल पेमेंट का चलन तेजी से बढ़ा



था। अधिकांश नागरिक जेब में नकदी रखने के बजाय मोबाइल से क्यूआर स्कैन कर भुगतान करने लगे थे। लेकिन अचानक व्यापारियों द्वारा क्यूआर पेमेंट बंद कर देने से सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को हो रही है, जिन्होंने पूरी तरह यूपीआई को ही अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लिया था। खरीदारी के बाद काउंटर पर केवल नकद भुगतान ही स्वीकार्य है, सुनकर उम्भोक्ताओं को एटीएम और बैंकों के चक्र

काटने पड़ रहे हैं। 15 अक्टूबर से डिजिटल भुगतान पर स्क्रकलागू करने संबंधी दिशा-निर्देशों के चलते व्यापारी वर्ग में असमंजस और नाराजगी का माहौल है। दुकानदारों का कहना है कि डिजिटल लेनदेन पर शुल्क कटने से उनके सीमित व्यापारिक मुनाफे पर सीधी चोट पड़ेगी। इसी आशंका के कारण 15 अक्टूबर की तय सीमा से पहले ही नगर के अधिकांश विक्रेताओं ने क्यूआर से भुगतान लेना बंद कर दिया है। आगामी दिनों में नवरात्रि, दशहरा और दीपावली जैसे बड़े त्योहार आ रहे हैं। इस त्योहारी सीजन में बाजारों में करोड़ों रुपये का कारोबार और भारी भीड़ रहती है। ऐसी स्थिति में यदि डिजिटल भुगतान बंद रहता है, तो खुद्रे पैसे की भारी क्लिष्ट पैदा होना तय है। 500 रुपये का बड़ा नोट देने पर 10, 20, 50 या 100 रुपये के छुड़े पैसे लौटाना विक्रेताओं के लिए सिरदर्द बन जाएगा, जिससे काउंटर पर

विवाद और समय की बर्बादी की स्थिति बनेगी। एक तरफ जहां डिजिटल भुगतान ठप हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय बैंकों में भी 10, 20, 50 और 100 रुपये जैसे छोटे नोटों का अकाल पड़ा हुआ है। अधिकांश एटीएम से भी सिर्फ 500 रुपये के ही बड़े नोट निकल रहे हैं। ऐसे में आम जनता दोहरे संकट में फंसा गई है, न तो मोबाइल से यूपीआई हो पा रहा है और न ही बैंक या एटीएम से खुद्रे पैसे मिल रहे हैं। व्यापारी संगठनों और जागरूक नागरिकों का मानना है कि सरकार एवं बैंकिंग संस्थानों को स्क्रक नियमों को लेकर स्थिति तुरंत स्पष्ट करनी चाहिए। यदि छोटे व्यापारियों पर डिजिटल ट्रांजेक्शन का अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाला गया, तो डिजिटल इंडिया अभियान को बढ़ा इटका लगेगा। साथ ही, नागरिकों ने बैंक प्रबंधन से मांग की है कि त्योहारी सीजन को देखते हुए शाखाओं और एटीएम में पर्याप्त मात्रा में छोटे नोट उपलब्ध कराए जाएं, ताकि बाजार में व्यवस्था बनी रहे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 11 तीर्थयात्री द्वारकाधीश एवं सोमनाथ दर्शन के लिए रवाना

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत नगर परिषद बदनावर के तत्वावधान में 11 तीर्थयात्रियों को आज सुबह भगवान श्री द्वारकाधीश एवं सोमनाथ महादेव के दर्शन हेतु छह दिवसीय यात्रा पर मंगलमय शुभकामनाओं के साथ रवाना किया गया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष मीना-शेखर यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा गरीब, वंचित एवं पात्र नागरिकों को समय-



एक अटेंडेंट की व्यवस्था भी रहती है। अध्यक्ष यादव ने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार व्यक्त किया। नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्रसिंह पवार, पार्षद अनीता चौहान, मितेश शर्मा, कन्हैया लाल गुर्जर, भेरूलाल डावर, संतोष चौहान सहित नगर परिषद के अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे। निकाय परिवार ने तीर्थयात्रियों का पुष्पहार से स्वागत करते हुए उनकी यात्रा सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय होने की कामना की।

महिदपुर कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय: 6 साल पुराने चेक बाउंस केस में विजय कुमार बोहरा को 1 वर्ष की जेल; ब्याज सहित 7.80 लाख चुकाने के आदेश

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वित्तीय धोखाधड़ी और चेक बाउंस के मामलों पर कड़ा रुख अपनते हुए उज्जैन जिले की महिदपुर अदालत ने एक बड़ा और नजीर पेश करने वाला फैसला सुनाया है। न्यायालय ने 6 साल पुराने एक मामले में आरोपी विजय कुमार बोहरा को दोषी पाते हुए 1 वर्ष के कारावास की सजा से दंडित किया है। इसके साथ ही कोर्ट ने फरियादी के पक्ष में फैसला देते हुए आरोपी पर ब्याज समेत कुल 7,80,000 रुपये का जुर्माना (प्रतिकर) लगाया है। 5 लाख का मूल चेक, 6 साल तक चली

कानूनी लड़ाई यह मामला साल 2020 का है, जब आरोपी विजय कुमार बोहरा ने फरियादी यश असावरा को अपने एक वित्तीय दायित्व के एवज में 5 लाख रुपये का चेक जारी किया था। यश असावरा ने जब यह चेक बैंक में लगाया, तो आरोपी के खाते में पर्याप्त राशि न होने के कारण बैंक ने इसे बाउंस कर दिया। इसके बाद पीड़ित ने न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। पिछले 6 वर्षों से न्यायालय में इस मामले पर लगातार सुनवाई चल रही थी। अधिवक्ता अनुज निर्वाणी की मजबूत पैरवी से मिला- न्यायालय में फरियादी यश

असावरा का पक्ष प्रसिद्ध अधिवक्ता अनुज निर्वाणी ने रखा। एडवोकेट अनुज निर्वाणी ने कोर्ट के समक्ष चेक बाउंस से जुड़े सभी पुख्ता दस्तावेज, बैंक मेमो और गवाह पेश किए। उन्होंने दलील दी कि पिछले 6 सालों से उनके मुक्किल की एक बड़ी राशि अटकी हुई है, जिससे उन्हें मानसिक और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। न्यायालय का सख्त आदेश- जेल के साथ देना होगा ब्याज महिदपुर कोर्ट ने दोनों पक्षों की अंतिम दलीलों सुनने के बाद आरोपी विजय कुमार बोहरा को परन्तान्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत दोषी करार

दिया।अदालत ने अपने आदेश में कहा कि-आरोपी विजय कुमार बोहरा को 1 वर्ष के साधारण कारावास की सजा भुगतनी होगी।6 साल की लंबी अवधि को देखते हुए, कोर्ट ने 5 लाख की मूल राशि पर ब्याज जोड़कर कुल 7,80,000 फरियादी यश असावरा को देने का आदेश जारी किया।यदि आरोपी तय समय में यह राशि नहीं चुकाता है, तो उसकी जेल की अवधि और बढ़ाई जा सकती है।इस फैसले के बाद महिदपुर कोर्ट का कानूनी और व्यापारिक क्षेत्रों में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि चेक बाउंस को हल्के में लेना भारी पड़ सकता है।

स्वरोजगार की ओर बढ़े कदम, हितग्राहियों को मिला ऋण सहायता का संवल

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वयं का रोजगार प्रारंभ करने और आजीविका के साधनों को मजबूत बनाने की दिशा में मंगलवार को आयोजित स्वरोजगार दिवस पर जिले के विभिन्न हितग्राहियों को शासन की स्वरोजगारमूलक योजनाओं से लाभान्वित किया गया। सामाहिक जनसुनवाई के साथ आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसर ने हितग्राहियों को ऋा स्वीकृति पत्र एवं डेमो चेक प्रदान किए और उनसे संवाद कर स्वरोजगार के माध्यम से अपनी आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में महिला स्व-सहायता समूहों, पशुपालन से जुड़े हितग्राही तथा छोटे व्यवसाय एवं पथ विक्रय से जुड़े हितग्राहियों को अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से ऋा सहायता उपलब्ध कराई गई। कलेक्टर ने हितग्राहियों से प्राप्त वित्तीय सहायता का बेहतर उपयोग कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने तथा नियमित रूप से ऋा की किश्तों का भुगतान करने की बात कही। मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों को आजीविका गतिविधियों के विस्तार के लिए बैंक ऋा से जोड़ा गया। इसमें रोशनी महिला बचत समूह को मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के माध्यम से 6 लाख रुपये तथा ज्योति महिला बचत समूह को 8 लाख रुपये के डेमो चेक प्रदान किए गए।

पशुपालन को आय के साधन के रूप में विकसित करने के लिए आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना के अंतर्गत श्री रामचंद्र भाषा निनामा को पंजाब नेशनल बैंक के माध्यम से 8 लाख 40 हजार रुपये का ऋा स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। शही क्षेत्र में छोटे व्यवसाय एवं पथ विक्रेताओं को आर्थिक संवल प्रदान करने वाली प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत भी हितग्राहियों को ऋा स्वीकृति पत्र सौंपे गए। योजना के तहत मंजू बसोड़, श्री रमेश गुडिया, श्री विजय बसोड़ एवं श्री राहुल को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, राजवाड़ा शाखा तथा रेखा भूरिया एवं श्री मनीष मेड़ा को पंजाब नेशनल बैंक के माध्यम से 15-15 हजार रुपये के ऋा स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। कलेक्टर डॉ. भरसर ने कहा कि स्वरोजगार योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य हितग्राहियों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय के स्थायी साधन विकसित करना है। शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता एवं बैंक ऋा की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

12 साल की ईवा का कमाल - किसानों का दर्द दूर करने बनाया AI ऐप

उच्च शिक्षा मंत्री इंंदर सिंह परमार एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने ईवा को दी बधाई

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जहाँ आज अधिकांश बच्चे अपना समय स्मार्टफोन पर रील्स देखने और गेम खेलने में बिता रहे हैं, वहीं ग्रामीण अंचल के वॉर्थिंगटन इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 8वीं में पढ़ने वाली 12 वर्षीय ईवा पाटीदार ने इसी तकनीक का सही उपयोग कर देश के अन्नदाताओं की किस्मत बदलने का बीड़ा उठाया है। ग्राम गाजनोद निवासी किसान मंदीप पाटीदार की होनहार सुपुत्री ईवा ने KisanAI.life — AI Farm Manager नाम से एक क्रांतिकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं एंड्रॉयड एप्लीकेशन तैयार कर अपने विद्यालय, परिवार और पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है।

एक साधारण ग्रामीण परिवेश और स्कूल से निकलकर 12 साल की उम्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित इतना बड़ा सिस्टम तैयार करना वॉर्थिंगटन इंटरनेशनल स्कूल के साथ-साथ पूरे अंचल के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। ईवा की इस सफलता से वॉर्थिंगटन इंटरनेशनल स्कूल परिसर में उत्सव जैसा माहौल है। स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और सहपाठियों ने ईवा की इस सोच को अपने साथियों व आने वाली पीढ़ी के लिए एक महान मिसाल बताया है। विद्यालय का कहना है कि ईवा ने साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहातज नहीं होती; यदि नीयत और सोच बड़ी हो तो ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय शिक्षा गया है।



में पढ़कर भी राष्ट्रीय स्तर पर बदलाव लाया जा सकता है।

किसान परिवार में जन्मी ईवा ने बचपन से ही अपने पिता और आसपास के किसानों को हर साल खेती की लागत, खाद-बीज-दवाई के खर्च, घरेलू व्यय, कर्ज और ब्याज के हिसाब में उलझते देखा। उन्होंने महसूस किया कि किसान कड़ी मेहनत से फसल तो उगाता है, लेकिन सही वित्तीय लेखा-जोखा और डेटा न होने के कारण अंततः कर्ज के जाल में फंसा जाता है। इसी समस्या के स्थायी समाधान के

लिए ईवा ने देश के हर किसान के लिए 100ब पूरी तरह से निःशुल्क KisanAI.life प्रोजेक्ट की शुरुआत की। ईवा के इस AI-आधारित प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह खेती के साथ-साथ किसान के व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन के वित्तीय प्रबंधन को भी जोड़ता है। एप से किसान यह पता लगा सकता है की किस फसल और खेत के किस हिस्से में कितना पैसा लगा, उसकी पाददर्शी डिजिटल यंत्री। लागत में 20ब से 40ब तक की भारी कमी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से खेती के व्यर्थ खर्चों को पहचानकर लागत नियंत्रित करना। खेती के अलावा घर-परिवार के दैनिक और आकस्मिक व्यय का पूरा हिसाब-किताब। डायरी खोने या पत्रे फटने का झंझट खतम; कई वर्षों का रिकॉर्ड सीधे मोबाइल में उपलब्ध। स्मार्ट फाइनेंशियल प्लानिंग से किसानों को कर्ज से मुक्ति दिलाना और बच्चों की शिक्षा व भविष्य के लिए पक्की बचत योजना।

ईवा पाटीदार के इस इनोवेटिव प्रोजेक्ट को कृष्णकांत धाकड़ तथा कविता कारसेलवाल जी के नेतृत्व में निरंतर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिल रहा है। ईवा की इस उपलब्धि पर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत कर उनके जज्बे को

सराहा। इसके अलावा मध्य प्रदेश शासन के मंत्री इंंदर सिंह परमार, मनोज धनौतिया, योगेंद्र पाटीदार (योगी) (CIVOM/GLSN), कामदार ऑर्गेनिक के संजय, IIPS के विभागाध्यक्ष सुरेश तथा मुंबई के फिल्म डायरेक्टर व राइटर अतुल सती कौशिक ने भी ईवा की सराहना की। ईवा ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और IIT के विशेषज्ञों के समक्ष भी अपने AI Farm Manager मॉडल का प्रस्तुतीकरण दिया है। हाल ही में इंदौर में आयोजित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में कई निवेशकों ने ईवा के इस प्रोजेक्ट में गहरी रुचि दिखाई।

वॉर्थिंगटन इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा ईवा द्वारा विकसित यह डिजिटल सिस्टम वर्तमान में वेबसाइट www.kisanai.life पर उपलब्ध है और इसका एंड्रॉयड ऐप जल्द ही गूगल प्ले स्टोर पर लॉन्च होने जा रहा है। ईवा पाटीदार की यह पहल आज पूरे देश के सामने एक सवाल और समाधान दोनों पेश करती है। ईवा का कहना है की अगर किसान खेत को एक बिजनेस की तरह चलाता है, तो उसके पास भी अपना डिजिटल Farm Manager होना ही चाहिए। ईवा का यह संकल्प साबित करता है कि यदि इरादे मजबूत हों, तो छोटी उम्र में भी तकनीक के दम पर समाज में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

‘एक चिढ़ी धरती माँ के नाम’ विषय पर होगी ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता

राष्ट्रीय स्तर पर विजेताओं को मिलेगा 50 हजार रुपये तक का पुरस्कार, 31 अक्टूबर तक भेज सकेंगे पत्र

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय डाक विभाग द्वारा अखिल भारतीय ढाई आखर पत्र लेखन अभियान वर्ष 2026-27 के अंतर्गत पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन 01 अगस्त से 31 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है। इस वर्ष प्रतियोगिता का विषय एक चिढ़ी धरती माँ के नाम: प्रकृति की रक्षा, मेरा वादा / A Letter to Mother Earth: My Promise to Protect Nature निर्धारित किया गया है।



वर्ष से कम अथवा 18 वर्ष से अधिक है। परिमंडल एवं राष्ट्रीय स्तर पर मिलेंगे पुरस्कार- मध्यप्रदेश परिमंडल स्तर पर प्रत्येक उप-श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ तीन पत्रों का चयन किया जाएगा। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 25 हजार रुपये, द्वितीय स्थान पर 10 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान पर 5 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। परिमंडल स्तर पर चयनित पत्रों को अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए महानिदेशालय, नई दिल्ली भेजा जाएगा।

अखिल भारतीय स्तर पर महानिदेशालय, नई दिल्ली द्वारा प्रत्येक उप-श्रेणी में चयनित सर्वश्रेष्ठ तीन पत्रों को क्रमशः 50 हजार रुपये, 25 हजार रुपये एवं 10 हजार रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए पत्र पोस्ट अथवा जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। अंतिम तिथि के बाद पोस्ट किए गए पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। परिमंडल स्तर पर चयनित प्रतिभागियों के परिणाम 15 दिसम्बर 2026 को घोषित किए जाएंगे।

मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, मध्यप्रदेश परिमंडल, भोपाल श्री विनीत माथुर ने प्रदेश के सभी नागरिकों से अखिल भारतीय ढाई आखर पत्र लेखन अभियान में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर प्रकृति संरक्षण के प्रति अपने विचार एवं संकल्प पत्र के माध्यम से अभिव्यक्त करने की अपील की है।

ऑयस्टर रिन्यूएबल ने केरल में एस्टर मेडसिटी के लिए शुरू की 10 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना

मुंबई। भारत की अग्रणी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में से एक, एस्टर डीएम क्रांति की केयर ने वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए अनुकूलित हाइब्रिड अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदान करने वाली कंपनी ऑयस्टर रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में केरल स्थित एस्टर मेडसिटी के लिए 10 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना शुरू की है। यह महत्वपूर्ण परियोजना अधिक टिकाऊ (सस्टेनेबल) और ऊर्जा-कुशल स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना के निर्माण की दिशा में एस्टर की यात्रा में एक और बड़ा कदम है।

ऑयस्टर रिन्यूएबल द्वारा विकसित यह ग्राउंड-माउंटेड (जमीन पर स्थापित) सौर परियोजना कासर्गोड जिले के होसदुर्ग तालुका स्थित अंबालाथारा और आसपास के गांवों में फैली हुई है। यह परियोजना केरल की उष्णकटिबंधीय जलवायु के अनुकूल उच्च-क्षमता वाले बाइफेशियल (द्वि-पक्षीय) सौर मॉड्यूल को एकीकृत करती है। इसे एस्टर मेडसिटी की 24 घंटे की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विश्वसनीय और लागत-प्रभावी स्वच्छ बिजली प्रदान करने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है।

इस परियोजना से सालाना लगभग 1.77 करोड़ यूनिट अक्षय ऊर्जा उत्पन्न होने की उम्मीद है, जो एस्टर मेडसिटी की कैप्टिव आधार पर कुल ऊर्जा आवश्यकता का 90ब से अधिक पूरा

करेगी। बिजली की आपूर्ति ऑयस्टर ग्रीन हाइब्रिड टू प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से की जाएगी, जिसमें एस्टर ग्रुप की 26ब इक्विटी हिस्सेदारी है। पूर्ण रूप से चालू होने पर, इस परियोजना से सालाना लगभग 23,138 मीट्रिक टन छद्मउत्सर्जन कम होने की संभावना है, जिससे एस्टर के परिचालन के कार्बन फुटप्रिंट में काफी कमी आएगी। एस्टर डीएम क्रांति की केयर ने इस परियोजना में 3.87 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह कमीशनिंग परियोजना के पहले परिचालन चरण का प्रतीक है, जिसके बाद के चरणों में पूर्ण कमीशनिंग की जाएगी।

ऑयस्टर रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ सिद्धार्थ भाटिया ने कहा, एस्टर मेडसिटी परियोजना आज तक किसी स्वास्थ्य सेवा संस्थान के लिए ऑयस्टर की दूसरी सबसे बड़ी सौर स्थापना है। यह इस क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा अवसंरचना के मानक स्थापित करती है। स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं को निबांध, विश्वसनीय बिजली की आवश्यकता होती है, और इस परियोजना को ठीक उसी मानक को पूरा करने के लिए इंजीनियर किया गया है। ऊर्जा सुरक्षा से इतर, यह परियोजना सालाना लगभग 23,138 मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन को कम करेगी, जो केरल के सस्टेनेबिलिटी लक्ष्यों और भारत के व्यापक स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में एक सार्थक योगदान है। हमें एस्टर के सस्टेनेबिलिटी सफर में भागीदार बनने और यह साबित करने पर गर्व है कि जिम्मेदार

स्वच्छ ऊर्जा भारत के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को मजबूती दे सकती है। एस्टर डीएम क्रांति की केयर के प्रबंध निदेशक और समूह सीईओ वरुण खन्ना ने कहा, एक स्वास्थ्य सेवा संगठन के रूप में, हम मानते हैं कि स्वस्थ समुदायों के प्रति हमारी जिम्मेदारी केवल अस्पतालों के भीतर दी जाने वाली देखभाल तक सीमित नहीं है। अपने समाधानों में अक्षय ऊर्जा को शामिल करना अधिक टिकाऊ स्वास्थ्य सेवा तंत्र के निर्माण की हमारी प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एस्टर मेडसिटी के लिए यह 10 मेगावाट की सौर परियोजना न केवल स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से अस्पताल की ऊर्जा आवश्यकताओं के एक बड़े हिस्से को पूरा करने में मदद करेगी, बल्कि हमारे कार्बन पदचिह्न (पर्यावरणीय प्रभाव) को कम करने के प्रयासों की भी मजबूत करेगी। हम आगे भी ऐसे समाधानों की तलाश और निवेश जारी रखेंगे जो हमारी स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना को भविष्य के लिए अधिक लचीला, कुशल और टिकाऊ बनाएं। यह परियोजना स्वास्थ्य सेवा जैसे ऊर्जा-गहन क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने में अक्षय ऊर्जा समाधानों के बढ़ते महत्व को रेखांकित करती है। इस तरह की पहलों के माध्यम से, एस्टर डीएम क्रांति की केयर ग्लोब-आधारित जीवाश्म ईंधन ऊर्जा पर अपनी निर्भरता कम करते हुए अपने बुनियादी ढांचे और परिचालन में सस्टेनेबिलिटी को एकीकृत करना जारी रखे हुए है।

कृष्ण लीला से मिला संयम का संदेश, युवाओं से सनातन संस्कृति की रक्षा का आह्वान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम बोराली स्थित श्रीराम मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस कथा वाचक पं. रमेशचंद्र अग्निहोत्री ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल एवं दिव्य लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान गोवर्धन लीला का प्रसंग आया तो श्रद्धालु भक्ति भाव से सराबोर हो गए।

पं. अग्निहोत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की प्रत्येक लीला मानव जीवन को कोई न कोई संदेश देती है। श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की और इंद्र के अहंकार को चूर किया। यह प्रसंग मनुष्य को अहंकार छोड़कर संयम, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।



उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की रक्षा केवल उपदेशों से नहीं, बल्कि संस्कारों और आचरण से होगी। युवा पीढ़ी को सत्य सनातन धर्म, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए आगे आना होगा। युवाओं को अपनी जड़ों और

संस्कारों से जोड़ना आज समय की आवश्यकता है। गौ संरक्षण के लिए कड़े कानून की जरूरत- कथा वाचक ने गौमाता के संरक्षण पर भी जोर देते हुए कहा कि गौमाता सनातन संस्कृति में पूजनीय है। उनकी रक्षा के लिए प्रभावी एवं कड़े कानूनों का निर्माण और उनका सख्ती से पालन सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने सनातन धर्मध्वज के प्रचार-प्रसार का आह्वान करते हुए कहा कि धर्मध्वज हमारी आस्था, संस्कार और सनातन परंपरा का प्रतीक है। कथा में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं के साथ रासलीला का भी भावपूर्ण वर्णन हुआ। पं. अग्निहोत्री ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण मनुष्य को भक्ति और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ता है। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तों और तपस्वियों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

97,882 आंगनवाड़ी केंद्रों पर गूजेगा ‘सेवा, पोषण और सम्मान’ का संकल्प

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में आंगनवाड़ी केंद्रों को केवल शासकीय सेवाओं के वितरण स्थल के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, पोषण, सीखने, सहभागिता और सम्मान के जीवंत केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से प्रदेशव्यापी ‘आंगन मिलन सेवा’ अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 26 सितंबर से 5 अक्टूबर 2026 तक प्रदेश के सभी 97,882 आंगनवाड़ी केंद्रों पर तीन दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन होगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने मंगलवार को मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के अधिकारियों को अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन, जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता और व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हर आंगनवाड़ी बने सेवा, पोषण और सम्मान का केंद्र - मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि ‘आंगन मिलन सेवा’ को केवल एक कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे समुदाय और आंगनवाड़ी के बीच मजबूत जुड़ाव का माध्यम बनाया जाए। अभियान का मूल उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों, माताओं, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा अन्य हितग्राहियों के पोषण, स्वास्थ्य और कल्याण सेवाओं की नियमित एवं प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र पर ऐसा वातावरण निर्मित किया जाए, जिसमें सेवा के साथ सम्मान और जनभागीदारी भी दिखाई दे।

माताओं-बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और

कलेक्टर ने कुल 65 आवेदकों की समस्याएं सुनी



बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। समस्त आवेदनों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश बड़वानी 22 सितम्बर 2026/ प्रति मंगलवार को जिला कलेक्टर कार्यालय बड़वानी में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए कुल 65 आवेदकों की समस्याएं सुनी एवं संबंधित अधिकारियों को सभी आवेदनों पर समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्यवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। 1. जनसुनवाई में पूर्व में प्राप्त आवेदन के तहत तीन सुरक्षा गार्ड- श्री अवधेश दीक्षित, श्री जगन सिंह और श्री कालुसिंग ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने जून 2026 में एक निजी सिक्वोरिटी कंपनी प्लॉडन वीर रेयसप् में सिक्वोरिटी गार्डों के रूप में कार्य किया था। उन्हें अभी तक जून 2026 का वेतन प्राप्त नहीं हुआ था तथा कंपनी के अधिकारियों द्वारा फोन पर भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा रहा था। इस मामले को जनसुनवाई के दौरान सज्जन में लेते हुए कलेक्टर श्रीमती सिंह ने श्रम विभाग के अधिकारियों को जांच कर उचित कार्यवाई के निर्देश दिए। श्रम विभाग द्वारा इस आवेदन पर तत्परता से कार्यवाई करते हुए तीनों शिकायतकर्ताओं को उनका बकाया वेतन नियमानुसार भुगतान करा दिया गया है। 2. जनसुनवाई में वाली तहसील के ग्राम सिदडी निवासी श्री कालुसिंह तरोले ने आवेदन देकर बताया कि उनकी पत्नी कविता की सम्प्र आईडी को ग्राम पंचायत पिसनावल से ग्राम पंचायत सिदवी में स्थानांतरित कराने हेतु पिछले 6 महीने से प्रयासरत है। पिसनावल पंचायत के सरपंच और सचिव द्वारा लिखित में न दिए जाने के कारण सिदवी पंचायत में यह आईडी नहीं जुड़ पा रही है।

युवा संगम-रोजगार मेले में 233 युवाओं ने कराया पंजीयन

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। 46 प्रारंभिक रूप से चयनित कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने कहा योग्य व्यक्तियों को आदर्श बनाएं, कौशल विकसित करें और सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान दें बड़वानी 22 सितम्बर 2026/ श्रीमती जयति सिंह, कलेक्टर के नेतृत्व में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी में जिला रोजगार कार्यालय के माध्यम से युवा संगम-रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

रोजगार मेले की आयोजन व्यवस्था स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा की गई। रोजगार मेले में जिले के युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कुल 233 युवाओं ने पंजीयन कराया, जबकि विभिन्न कंपनियों द्वारा 46 आवेदकों का प्रारंभिक रूप से चयन किया गया। एआई के दौरे



संवाद पर विशेष फोकस- अभियान के प्रथम दिवस बाल स्वास्थ्य और आनंदमयी गतिविधियों पर विशेष जोर रहेगा। आंगनवाड़ी केंद्रों पर वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, 3 से 6 वर्ष आयु के बच्चों की गतिविधियां, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के संदेशों का वाचन तथा डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन किया जाएगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और आशा कार्यकर्ता का सम्मान भी किया जाएगा। इसके साथ ही 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों की माताओं, गर्भवती एवं धात्री माताओं तथा महिला हितग्राहियों से संवाद होगा। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। गर्भावस्था एवं प्रसवोत्तर देखभाल, संतुलित आहार, एनीमिया, स्तनपान और शिशु देखभाल जैसे विषयों पर पोषण संवाद आयोजित होंगे। बच्चों को फल एवं मिठाई का वितरण भी किया जाएगा।

झांतला नगर में भगवान ने किया भ्रमण, हाथी घोड़ा पालकी-जय कन्हैया लाल की के गगनभेदी नारों के साथ मुख्य मार्गों पर उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब

सिंगोली पुलिस प्रशासन की मुस्तेदी और राजस्व अमले की सजगता से बेहद शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ महापर्व

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अचल के प्रसिद्ध धार्मिक ग्राम झांतला में डोल ग्यारस (जलझूलनी एकादशी) का पावन पर्व परंपरा और अटूट धार्मिक आस्था के अनूठे संगम के साथ मनाया गया। ठाकुरजी के नगर भ्रमण के खगात में पूरा झांतला पलक-पावड़े बिछाए स्वागत नजर आया। भगवान श्री जी जब आकर्षक और भव्य विमानों (बेवाण) में सवार होकर निकले, तो उनके दर्शनों के लिए सड़कों से लेकर घरों की छतों तक श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा।ठाकुरजी के सामने थिरके कदम, महिलाओं और बुजुर्गों का दिखा अनूठा उत्सवशोभायात्रा के दौरान झांतला ग्राम में भक्ति का ऐसा रंग चढ़ा कि हर कोई झूम उठा। ढोल-धमाकों और भजनों की सुमधुर लहरियों पर बड़ी संख्या में ग्रामीण युवाओं, वयोवृद्ध बुजुर्गों और मातृशक्ति (महिलाओं) ने भगवान श्री जी के बेवाण के सम्मुख भावविभोर होकर नृत्य किया।

कान्हा की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं ने जमकर ठुमके लगाए और एक-दूसरे को अबीर-लालाल लगाकर उत्सव की बधाइयां दीं। बुजुर्गों का यह उत्साह और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी इस बार के आयोजन का मुख्य आकर्षण रही।

बड़े मंदिर पर जुटी चारों विग्रहों की



अलौकिक आभाउत्सव की शुरुआत ग्राम के सबसे बड़े मंदिर भगवान लक्ष्मीनाथ मंदिर से हुई, जहाँ से श्री जी को पालकी में विराजमान कर नगर भ्रमण पर रवाना किया गया। इसी क्रम में मंडी चवतूरे के पास स्थित श्री राम जानकी मंदिर, उरना मोहल्ला से भगवान चारभुजा नाथ और पटेल मोहल्ला से भगवान मुरली मनोहर के भव्य बेवाण गाजे-बाजे के साथ रवाना हुए। ये चारों बेवाण सबसे पहले बड़े मंदिर (लक्ष्मीनाथ मंदिर) परिसर पर एकत्रित हुए।

यहाँ चारों विग्रहों के महा-संगम का अलौकिक दृश्य देखकर भक्त भावविभोर हो उठे।

आतिशबाजी की चकाचौंध और गूजे

सम्मानपूर्वक आमंत्रित कर उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियण कार्यक्रमों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें और आगनवाड़ी केंद्रों पर आयोजित गतिविधियों की शोभा बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, विभागीय अमले और समुदाय की सहभागिता से अभियान को व्यापक जन-अभियान का स्वरूप दिया जाए।

सफलता की कहानियां बेंगेंगी अभियान की पहचान- मंत्री सुश्री भूरिया ने अभियान की प्रभावी रिपोर्टिंग और दस्तावेजीकरण पर विशेष जोर दिया। प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र पर कार्यक्रम के फोटो और वीडियो तैयार करने तथा कम से कम एक सफलता की कहानी पर वीडियो निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सफलता की कहानियों में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडली लक्ष्मी एवं लाडली बहना योजना, पोषण सेवाओं, कुपोषण से सामान्य श्रेणी में आए बच्चों, पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान क्षेत्र के हितग्राहियों, स्पर्सस्तरिण, पीएम केयर्स, मुख्यमंत्री बाल कोविड सेवा योजना तथा सुकन्या समृद्धि योजना से जुड़े अनुभवों को प्रमुखता दी जाएगी।

‘आशीर्वाद का दीया’ के बाद अब ‘आंगन मिलन सेवा’ में भी व्यापक जनभागीदारी का आह्वान- मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि 17 सितंबर को आयोजित ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय जनभागीदारी दर्ज की है। उन्होंने

अधिकारियों-कर्मचारियों से आह्वान किया कि आगामी ‘आंगन मिलन सेवा’ अभियान में भी पूरे मनोयोग और टीम भावना के साथ कार्य करते हुए प्रदेश की जनभागीदारी को नई ऊंचाई दी जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी अभियान को अपनी जिम्मेदारी मानकर कार्य करें और यह सुनिश्चित करें कि हर आंगनवाड़ी केंद्र पर कार्यक्रम प्रभावी और गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित हो।

9 और 10 अक्टूबर को ‘सेवा के रंग-राष्ट्र के संग’ का विशेष आयोजन- ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत प्रदेश में आगे भी जनभागीदारी आधारित गतिविधियां आयोजित होंगी। 9 एवं 10 अक्टूबर को ‘सेवा के रंग-राष्ट्र के संग’ के तहत भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, झाबुआ और आलीराजपुर में बड़े मैदानों पर मानव रंगोली का निर्माण किया जाएगा। इसमें व्यापक जनभागीदारी के साथ सेवा, राष्ट्रभाव और विकसित भारत के संकल्प को अभिव्यक्त किया जाएगा।

प्रतिदिन होगी मॉनिटरिंग और रिपोर्टिंग- अभियान के दौरान जिलों से प्रगति, प्रमुख उपलब्धियों तथा उच्च गुणवत्ता वाले फोटो एवं वीडियो सहित जानकारी प्रतिदिन शाम 4 बजे तक राज्य स्तर पर भेजी जाएगी। मैदानी अमला आवश्यकता के अनुसार लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा शिक्षा विभाग से समन्वय करेगा। कार्यक्रमों की गुणवत्ता, स्हक के अनुपालन और दस्तावेजीकरण की जिला स्तर पर निगरानी की जाएगी।

देने के बाद महाआरती की गई, जिसमें कपूर की खुशबू और शंखनाद से पूरा परिसर गुंज उठा। इसके बाद उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं के बीच विशेष महाप्रसाद का वितरण किया गया।

नगर के प्रबुद्ध और गणमान्य नागरिक रहे साक्षी- इस धार्मिक महकुंभ में झांतला नगर के प्रबुद्ध नागरिक, वयोवृद्ध श्री ओंकार लाल जी पटेल, सरपंच प्रतिनिधि विनोद कुमार धाकड़, जावद जनपद प्रतिनिधि सदस्य राजेश शर्मा सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिकों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इन वरिष्ठ जनों ने व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में युवाओं की टोली का उत्साहवर्धन किया और ठाकुरजी से क्षेत्र की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की।

प्रशासन और सिंगोली पुलिस की मुस्तेदी रही सराहनीय- आयोजन में उमड़े भारी जनसैलाब को देखते हुए सिंगोली पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। मौके पर राजस्व विभाग से झांतला आरआई व पटवारी प्रकाश शुक्ला एवं पुलिस विभाग से विशाल गंगवाल सहित सिंगोली पुलिस बल की टीम सुरक्षा व्यवस्था को संभालते हुए मुस्तेद तैनात रही। प्रशासनिक अधिकारियों की सजगता और प्राणीमों के अनुशासित सहयोग से यह विशाल आयोजन बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुआ।

सड़क निर्माण का सच: लापरवाही बनी जानलेवा, मिट्टी से भरा ट्रक पलटा



न ही प्रशासन का कोई खोफ। नतीजा-आए दिन यहां गंभीर हादसे हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी कुंभकर्णी नौद में सोए हुए हैं।

बेपरवाह ठेकेदार और धंसती जमीन- सड़क निर्माण के नाम पर चल रहे इस हल्के और घटिया काम की वजह से मुख्य मार्ग पर ट्रकों के टायर तक धंस रहे हैं, जिससे हर पल किसी बड़े हादसा की आशंका बनी रहती है। भारी वाहनों की आवाजाही के लिए कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए हैं।

टला बड़ा हादसा, पर खतरा बरकरार- ताजा मामला बीती सोमवार रात का है, जब मालखेड़ा रोड पर निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी से भरा एक भारी-भरकम ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि निर्माण एजेंसियों और प्रशासन को किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार है।

अटल वयोश्री योजना अंतर्गत वरिष्ठजनों ने साझा किए जीवन और कला के गुर



किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठजनों के अनुभव, ज्ञान, कला एवं संस्कृति को नई पीढ़ी से साझा कर दोनों पीढ़ियों के बीच संवाद और जुड़ाव को मजबूत करना है।

कार्यक्रम के अंतर्गत पुरानी पीढ़ी से नई पीढ़ी तक पारंपरिक कला एवं संस्कृति के हस्तांतरण के उद्देश्य से पिथौरा आर्ट वर्क का विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान पद्मश्री श्री रमेश परमार ने छत्र-छात्राओं को झाबुआ की पारंपरिक जनजातीय गुडिया बनाने की कला एवं पिथौरा आर्ट के संबंध में जानकारी देते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ अपने जीवन के अनुभव भी साझा किए और उन्हें अपने हाथों के हुनर को विकसित कर आत्मनिर्भर बनने की सीख दी।

पद्मश्री श्री परमार ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ पारंपरिक कला विधाओं को सीखने एवं उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि कला केवल संस्कृति और परंपराओं को संहेजने का माध्यम ही नहीं, बल्कि हुनर के माध्यम से स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान करती है।

कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग की ओर से श्रीमती निधि ठाकुर ने अटल वयोश्री योजना एवं अंतर-पीढ़ी जुड़ाव कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से वरिष्ठजनों के अनुभवों, पारंपरिक ज्ञान एवं कौशल से युवा पीढ़ी को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती शालू जैन ने वरिष्ठजनों के महत्व को रेखांकित करते हुए उनकी तुलना पौधे की जड़ों से की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मजबूत जड़ों के बिना कोई पौधा विकसित नहीं हो सकता, उसी प्रकार वरिष्ठजनों के अनुभव, संस्कार और मार्गदर्शन नई पीढ़ी के विकास के लिए महत्वपूर्ण आधार है।

इस अवसर पर प्रभारी उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण श्रीमती हेलेन वसुनिया सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालखेड़ा से सिंगोली तक चल रहे रोड निर्माण के दौरान भारी लापरवाही और लचर व्यवस्था ने आम जनता की जिंदगी को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। यहां न तो कोई सुरक्षित डायवर्शन की व्यवस्था है और न ही प्रशासन का कोई खोफ। नतीजा-आए दिन यहां गंभीर हादसे हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी कुंभकर्णी नौद में सोए हुए हैं।

बेपरवाह ठेकेदार और धंसती जमीन- सड़क निर्माण के नाम पर चल रहे इस हल्के और घटिया काम की वजह से मुख्य मार्ग पर ट्रकों के टायर तक धंस रहे हैं, जिससे हर पल किसी बड़े हादसा की आशंका बनी रहती है। भारी वाहनों की आवाजाही के लिए कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए हैं। टला बड़ा हादसा, पर खतरा बरकरार- ताजा मामला बीती सोमवार रात का है, जब मालखेड़ा रोड पर निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी से भरा एक भारी-भरकम ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि निर्माण एजेंसियों और प्रशासन को किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार है।

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संचालनालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के मार्गदर्शन में मंगलवार को केशव इंटरनेशनल स्कूल, झाबुआ में अटल वयोश्री योजना अंतर्गत अंतर-पीढ़ी जुड़ाव कार्यक्रम (इंटर जनरेशनल बॉन्डिंग प्रोग्राम) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठजनों के अनुभव, ज्ञान, कला एवं संस्कृति को नई पीढ़ी से साझा कर दोनों पीढ़ियों के बीच संवाद और जुड़ाव को मजबूत करना है। कार्यक्रम के अंतर्गत पुरानी पीढ़ी से नई पीढ़ी तक पारंपरिक कला एवं संस्कृति के हस्तांतरण के उद्देश्य से पिथौरा आर्ट वर्क का विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान पद्मश्री श्री रमेश परमार ने छत्र-छात्राओं को झाबुआ की पारंपरिक जनजातीय गुडिया बनाने की कला एवं पिथौरा आर्ट के संबंध में जानकारी देते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ अपने जीवन के अनुभव भी साझा किए और उन्हें अपने हाथों के हुनर को विकसित कर आत्मनिर्भर बनने की सीख दी। पद्मश्री श्री परमार ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ पारंपरिक कला विधाओं को सीखने एवं उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि कला केवल संस्कृति और परंपराओं को संहेजने का माध्यम ही नहीं, बल्कि हुनर के माध्यम से स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान करती है। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग की ओर से श्रीमती निधि ठाकुर ने अटल वयोश्री योजना एवं अंतर-पीढ़ी जुड़ाव कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से वरिष्ठजनों के अनुभवों, पारंपरिक ज्ञान एवं कौशल से युवा पीढ़ी को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती शालू जैन ने वरिष्ठजनों के महत्व को रेखांकित करते हुए उनकी तुलना पौधे की जड़ों से की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मजबूत जड़ों के बिना कोई पौधा विकसित नहीं हो सकता, उसी प्रकार वरिष्ठजनों के अनुभव, संस्कार और मार्गदर्शन नई पीढ़ी के विकास के लिए महत्वपूर्ण आधार है। इस अवसर पर प्रभारी उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण श्रीमती हेलेन वसुनिया सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

परंपरागत हुनर को मिला आधुनिक संबल, प्रदीप पांचाल के सुतार व्यवसाय को मिली नई मजबूती

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से हितग्राहियों के जीवन एवं आजीविका में आए सकारात्मक बदलाव की कहानियां सामने आ रही हैं। राणापुर निवासी श्री प्रदीप पांचाल की कहानी भी अपने परंपरागत हुनर को शासन की सहायता से आगे बढ़ाने और उसे आजीविका का मजबूत माध्यम बनाने की कहानी है। श्री प्रदीप पांचाल पिछले लगभग 20 वर्षों से सुतार के परंपरागत व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। वर्षों से अपने हुनर के माध्यम से परिवार की आजीविका चला रहे श्री पांचाल को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से अपने कौशल को निखारने के साथ व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण, टूलकिट और वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत श्री पांचाल ने झाबुआ की छत्रस्थ संस्था के माध्यम से 5 दिवसीय कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें अपने परंपरागत कौशल को और बेहतर बनाने तथा कार्य से संबंधित तकनीकी जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा उन्हें टूलकिट भी प्रदान की गई। व्यवसाय को विस्तार देने के लिए श्री पांचाल को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, राणापुर के माध्यम से एक लाख रुपये का ऋण 5 प्रतिशत की रियायती व्याज दर पर उपलब्ध कराया गया।

सिंहस्थ के रास्तों पर काम देखने ई-रिवशा से पहुंचे अफसर

गदा पुलिया से हरिफाटक समेत प्रमुख मार्गों का निरीक्षण- बिजली-पानी-सीवर के काम भी साथ कराने के निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों के तहत शहर के प्रमुख मार्गों को चौड़ा करने का काम अब तेजी से करने के निर्देश दिए गए हैं। मंगलवार को संभागायुक्त और कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त के साथ विभिन्न मार्गों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर काम की स्थिति देखी और सभी कार्य तय समय-सीमा में पूरे करने को कहा।

सबसे पहले अधिकारियों ने गदा पुलिया चौराहा से अंबर कॉलोनी होते हुए हरिफाटक ब्रिज चौराहा तक चल रहे काम का जायजा लिया। इसके बाद कहारवाड़ी मार्ग, हरसिद्धि की पाल से रामघाट, कहारवाड़ी से गुदरी चौराहा और 24 खंबा

शाही पगड़ी पहनकर नगर भ्रमण पर निकले कालभैरव



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डोल ग्यारस के अवसर पर मंगलवार को भगवान महाकाल के सेनापति और उज्जैन के नगर कोतवाल कालभैरव राजसी वैभव के साथ नगर भ्रमण पर निकले। कालभैरव मंदिर से शाम 4 बजे

शुरू हुई सवारी में धार्मिक आस्था के साथ राजसी परंपरा की झलक भी दिखाई दी। बाबा ने सिंधिया शाही की पगड़ी धारण कर भक्तों को दर्शन दिए। सवारी के दर्शन के लिए मार्ग में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

मंदिर परिसर में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा ने पालकी में विराजित भगवान कालभैरव के रजत मुखारविंद और चरण पादुकाओं का पूजन किया। इसके बाद सवारी को नगर भ्रमण के लिए रवाना किया गया। सवारी शुरू होने से पहले मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र बल की टुकड़ी ने बाबा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

पुलिस बैंड और झांकियों ने बड़ाई शोभा- कालभैरव की सवारी में पुलिस बैंड, सशस्त्र बल की टुकड़ी, धार्मिक झांकियां, अखाड़े, ल्थी-घोड़े और बगियान शामिल रहें। राजसी ठाठ के साथ निकली सवारी को देखने के लिए रास्तेभर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। कई स्थानों पर लोगों ने बाबा की पालकी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

जेल तिराहे पर जेल अधीक्षक ने किया पूजन - कालभैरव मंदिर से रवाना होकर सवारी नया बाजार, भैरवगढ़ नाका, माणक चौक और महेंद्र मार्ग होते हुए केंद्रीय जेल तिराहे पहुंची। यहां जेल अधीक्षक ने बाबा की पालकी का पूजन किया। इसके बाद सवारी सिद्धदट पहुंची, जहां वैकुंठ द्वार पर पुजारियों ने शिप्रा जल से भगवान कालभैरव के रजत मुखारविंद और चरण पादुकाओं का पूजन किया।

पूजन के बाद सवारी ब्रजपुरा और जेल तिराहे होते हुए वापस कालभैरव मंदिर के लिए रवाना हुई। रात करीब 7.30 बजे सवारी के मंदिर पहुंचने का कार्यक्रम रहा।

तड़के ग्वालियर से उज्जैन पहुंची शाही पगड़ी-इस बार सवारी में सिंधिया शाही की पगड़ी विशेष आकर्षण रही। ग्वालियर स्थित राजमहल से ओहदेदार मंगलवार तड़के करीब 4 बजे शाही पगड़ी लेकर उज्जैन पहुंचे। दोपहर 3.30 बजे कलेक्टर और एसपी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर बाबा कालभैरव को शाही पगड़ी धारण कराई। इसके बाद बाबा राजसी स्वरूप में नगर भ्रमण पर निकले।

साल में दो बार नगर भ्रमण करते हैं- धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान कालभैरव को भगवान महाकाल का सेनापति और उज्जैन का नगर कोतवाल माना जाता है। उनकी सवारी वर्ष में दो बार नगर भ्रमण पर निकलती है। पहली सवारी मार्गशीर्ष कृष्ण अष्टमी को भैरव जन्मोत्सव के आगले दिन और दूसरी भाद्रपद शुक्ल एकादशी यानी डोल ग्यारस पर निकलती है। डोल ग्यारस की सवारी में राजसी परंपरा और धार्मिक आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला।

मिठाई का पैकेट खोला तो रेंग रहे थे कीड़े... बदबू भी आई

कोयला फाटक स्थित लाला श्री मिष्ठान भंडार का मामला- शिकायत पर फूड विभाग की टीम पहुंची, सैपल जांच के लिए भेजे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोयला फाटक स्थित लाला श्री मिष्ठान भंडार से खरीदी गई गुपचुप मिठाई में कीड़े मिलने का मामला सामने आया है। ग्राहक ने घर पहुंचकर मिठाई का पैकेट खोला तो उसमें कीड़े रेंगते दिखाई दिए। मिठाई से बदबू भी आ रही थी। ग्राहक ने मिठाई के फोटो खींचकर फूड विभाग में ऑनलाइन शिकायत की। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम दुकान पर पहुंची और मिठाई बनाने वाले कारखाने का भी निरीक्षण किया और सैपल लेकर जांच के लिए भेजे हैं।

अधिकारियों के अनुसार कोयला फाटक निवासी चेतन शर्मा ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह लाला श्री मिष्ठान भंडार से 250 ग्राम गुपचुप

मिठाई खरीदी थी। इसके लिए उन्होंने 170 रुपए का भुगतान किया। घर पहुंचने के बाद जब पैकेट खोला तो मिठाई पर कीड़े रेंगते नजर आए। मिठाई से बदबू भी आ रही थी। इसके बाद उन्होंने मिठाई के फोटो लिए और खाद्य विभाग को ऑनलाइन शिकायत भेजी। शर्मा का दावा है कि इससे पहले भी इसी दुकान से खराब मिठाई मिलने की शिकायत सामने आ चुकी है।

शिकायत वाली मिठाई का सैपल भेजा, रिपोर्ट के बाद कार्रवाई- फूड ऑफिसर बसंत दत्त शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन शिकायत में गुपचुप मिठाई में फंगस होने की बात कही गई थी। शिकायत के बाद टीम ने दुकान का निरीक्षण किया। इसके साथ ही मिठाई तैयार

मुख्य मार्ग तक सड़क चौड़ी करने के काम की भी समीक्षा की गई। संभागायुक्त आशीष सिंह ने अधिकारियों और इंजीनियरों से सड़क की चौड़ाई, अधोसंरचना और काम की समय-सीमा की जानकारी ली।

एक तरफ से काम, पहले से तैयार होगा ट्रैफिक प्लान- संभागायुक्त सिंह ने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान आम लोगों की आवाजाही प्रभावित नहीं होनी चाहिए। जरूरत के अनुसार एक तरफ से चरणबद्ध

काम शुरू किया जाए। विद्युत पोल, पेयजल और सीवर पाइपलाइन के काम भी आपसी समन्वय से साथ कराए जाएं, ताकि सड़क बनने के बाद उसे दोबारा खोदने की नौबत न आए।

उन्होंने निर्माण शुरू होने से पहले यातायात व्यवस्था की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही स्थानीय रहवासियों से संवाद कर उनकी समस्याओं और क्षेत्र की जरूरतों को भी ध्यान में रखने को कहा।

महाकाल से खजूर वाली मस्जिद तक ई-रिक्षा से सफर- निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यातायात की वास्तविक स्थिति समझने के लिए महाकाल चौराहे से खजूर वाली मस्जिद तक ई-रिक्षा से यात्रा

की। संभागायुक्त ई-रिक्षा चालक के साथ बैठे और रास्ते की स्थिति देखी। गंतव्य पर पहुंचकर उन्होंने चालक को किराया भी दिया।

इसके बाद संभागायुक्त, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने खजूर वाली मस्जिद से अब्दालपुरा, जीवाजीगंज थाने के सामने से गौतम मार्ग, नयापुरा होते हुए पिपलीनाका तक पैदल भ्रमण किया। इस दौरान सड़क की चौड़ाई, यातायात व्यवस्था और बिजली, पानी व सीवर से जुड़े कामों की मौके पर जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान निगम अपर आयुक्त संतोष टेंगोर सहित नगर निगम के अधिकारी और इंजीनियर मौजूद रहे।

सीटें खाली देख नाराज हुए आयुक्त, कटेगा वेतन, नोटिस भी थमाए जाएंगे

निगम मुख्यालय में औचक निरीक्षण के दौरान कई अधिकारी-कर्मचारी मिले गैरहाजिर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम मुख्यालय में मंगलवार को कार्यालयीन समय के दौरान निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के औचक निरीक्षण से कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। आयुक्त ने अलग-अलग विभागों में पहुंचकर अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति और कामकाज की स्थिति देखी। इस दौरान कई कर्मचारी अपनी सीट से गायब मिले। बिना अनुमति या उचित कारण के अनुपस्थित मिले कर्मचारियों पर वेतन कटौती के साथ कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

आयुक्त ने समग्र सेल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण सहित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निगम कार्यालय में सुबह 10 से शाम 6 बजे तक अधिकारी-कर्मचारियों की मौजूदगी अनिवार्य है। निर्धारित समय में कर्मचारी अपनी सीट पर रहें और आम लोगों के काम को

अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखें।

दूर-दराज से आते हैं लोग, खाली सीट देखकर न लौटें- आयुक्त ने कहा कि नगर निगम मुख्यालय में शहर ही नहीं, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों से भी लोग अपनी समस्याओं और जरूरी कामों के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में संबंधित कर्मचारी अपनी सीट पर नहीं मिलने से लोगों को बार-बार

चक्कर लगाने पड़ते हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की शिकायतों और आवेदनों का समय पर निराकरण किया जाए तथा लोगों को बेवजह परेशान न होना पड़े।

बुजुर्ग की पेंशन अटकी, समस्या का करया निदान - निरीक्षण के दौरान एक बुजुर्ग महिला विधवा पेंशन की समस्या लेकर निगम पहुंची। मामले की जांच में सामने आया कि आधार बायोमेट्रिक अपडेट नहीं होने के कारण पेंशन में परेशानी आ रही थी। आयुक्त के निर्देश पर तत्काल महिला

का आधार बायोमेट्रिक अपडेट कराया गया और मौके पर ही समस्या का समाधान कर दिया गया। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निगम में आने वाले बुजुर्गों, महिलाओं और अन्य नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशीलता के साथ जल्द समाधान किया जाए।

21 लाख 21 हजार के नोटों से सजा बप्पा का दरबार

10 से 500 रुपए तक के नए नोटों से तैयार की गई मालाएं- छह सीसीटीवी और 24 घंटे निगरानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गणेशोत्सव के दौरान शहर में कई आकर्षक पंडाल श्रद्धालुओं का ध्यान खींच रहे हैं, लेकिन बड़नगर स्थित मेवाड़ माली सेरी का गणेश पंडाल इन दिनों खास चर्चा में हैं। यहां भगवान गणेश की प्रतिमा का श्रृंगार फूलों या विद्युत सजावट से नहीं, बल्कि 21 लाख 21 हजार रुपए के असली नोटों से किया गया है। नोटों से सजे बप्पा के इस अनोखे स्वरूप को देखने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

श्री सर्व गजानंद मित्र मंडली की ओर से तैयार किए गए इस पंडाल में भगवान गणेश की प्रतिमा के साथ पूरे पंडाल को भी नोटों की मालाओं और लड़ियों से सजाया गया है।

सजावट में 10, 20, 50, 100 और 500 रुपए के नए नोटों का इस्तेमाल किया गया है।



नोटों को आकर्षक तरीके से सजाकर बप्पा के दरबार को भव्य रूप दिया गया है।

आठ लोगों ने तीन दिन तक की मेहनत- नोटों से यह अनोखी सजावट तैयार करना आसान नहीं था। मंडली के करीब आठ

सदस्यों ने लगातार तीन दिन और रात मेहनत कर नोटों की मालाएं और लड़ियां तैयार कीं। इसके बाद इन्हें पंडाल और गणेश प्रतिमा के आसपास कलात्मक ढंग से लगाया गया। सजावट पूरी होने के बाद पंडाल का स्वरूप देखते ही बन रहा है।

लाखों की नकदी, इसलिए सुरक्षा भी चाक-चौबंद- पंडाल में बड़ी राशि के असली नोट लगे होने के कारण सुरक्षा के भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। पूरे पंडाल को निगरानी के लिए छह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा मित्र मंडली के सदस्य भी बारी-बारी

आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर ने सिखाया कंस्ट्रक्शन सेफ्टी कैपेसिटी बिल्डिंग कैसे की जाती है

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर अल्बर्ट थॉमस और प्रोफेसर वरुण कुथार रेजा ने आज सिंहस्थ निर्माण कार्यों से जुड़े इंजीनियर के एक बैठ को सिखाया की कंस्ट्रक्शन सेफ्टी कैपेसिटी बिल्डिंग कैसे की जाती है। निर्माण कार्यों के दौरान श्रमिकों और संबंधित कर्मचारियों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करना है। इस संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम आज मेला कार्यालय में आयोजित किया गया।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से सिंहस्थ मेला अधिकारी एवं संभागायुक्त श्री आशीष सिंह तथा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा किए जा रहे नगलचरों एवं क्षमता संवर्धन कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत मंगलवार को अभियंताओं के एक बैठ के लिए ‘कंस्ट्रक्शन सेफ्टी कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम’ आयोजित किया गया।

दुर्घटना में युवक की मौत, अस्पताल लाने वालों से मारपीट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मकसी रोड गरोठ पुलिया पर दुर्घटना में एक्विटा सवार की मौत हो गई। उसके साथी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां मृतक के परिजनों ने अस्पताल लाने वाले युवकों से मारपीट की।

सेटी नगर तीन बिल्डिंग में रहने वाला लक्की पिता अनिल धाकड़ घर से कुछ दूरी पर ही छाया नगर में रहने वाले शैलेंद्र पिता राजेंद्र सिंह कुशवाह और राम लोहार के साथ रात में करौंदिया शराब दुकान पहुंचा था जहां तीनों ने शराब का सेवन किया। वापस लौटते समय गरोठ पुलिया के यहां शैलेंद्र की एक्विटा को तेज गति से आई कार ने टक्कर मार दी शैलेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया था उसे लक्की और राम लोहार एंबुलेंस से अस्पताल लेकर आये। शैलेंद्र की मौत हो चुकी थी परिवार सूचना मिलने पर अस्पताल आ गया था। उन्हें शैलेंद्र की मौत होने का पता चला तो उन्होंने लक्की धाकड़ के साथ मारपीट शुरू कर दी बीच बचाव में लक्की का जीजा मनीष तंवर निवासी झालावाड़ आया तो उसे भी बुरी तरह से पीट दिया। अस्पताल में मारपीट और हंगामा की खबर लगते ही कोतवाली थाना पुलिस अस्पताल पहुंच गई। मृतक की बॉडी को पोस्टमार्टम कक्ष में रखवाया गया मामला शतत किया गया। पंवासा थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और मनीष के साथ लक्की को थाने लेकर गई इस बीच दुर्घटना स्थल पर भी पुलिस जांच के लिए पहुंची और उत्तर प्रदेश पारिंस कार को जप्त कर लिया गया। कार में तीन युवक सवार थे जिन्हें हिरासत में लिया गया है उनकी ही कार से दुर्घटना होना सामने आया है। मंगलवार सुबह मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया परिजनों ने बताया कि शैलेंद्र पोस्ट्री फार्म डालने की तैयारी कर रहा था।

पति से विवाद के बाद पत्नी ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पति से विवाद के बाद रात 2 बजे पत्नी ने फांसी लगा ली। दोनों ने 2 साल पहले प्रेम विवाह किया था। घटना के बाद पति अस्पताल लेकर पहुंचा था। पुलिस ने मामला जांच में लिया है। चिमनगंज थाना क्षेत्र के तिरुपति धाम में रहने वाली शिवानी पति हीरालाल मालवीय 22 साल ने रात 2 बजे कमरे का दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली थी। पति ने दरवाजा नहीं खुलने पर वेंटिलेशन से कमरे में प्रवेश किया और पत्नी का शव फंदे तो उतार कर अस्पताल लाया।

मामले की जानकारी लगने पर पुलिस ने मर्ग कायम किया। पोस्टमार्टम के दौरान सामने आया कि शिवानी और हीरालाल ने 2 साल पहले प्रेम विवाह किया था। हीरालाल ड्राइवर्ग करता है रात में उसे बुकिंग पर जाना था। शिवानी ने मना किया और रात का काम छोड़ने की बात कही। हीरालाल ने कहा कि आज बुकिंग पूरी करता हूं उसके बाद नहीं जाऊंगा लेकिन दोनों के बीच विवाद हो गया और शिवानी ने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। पुलिस के अनुसार शिवानी सेंट पॉल स्कूल के पास शीतल पैलेस की रहने वाली थी। परिजनों के बयान दर्ज कर आगे की जांच शुरू की जाएगी।

इधर फांसी लगाने वाले की मौत- घटिया थाना क्षेत्र के निपानिया में रहने वाले मनोज पित्त राम सिंह कुशवाहा ने सोमवार को फांसी लगा ली थी परिजन उसे फंदे से उतार कर आर्डि गार्डी मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे थे जहां रात भर चले उपचार के बाद सुबह मनोज की मौत हो गई। फिलहाल फांसी लगाने का कारण सामने नहीं आया है पुलिस द्वारा मामले की जांच की जाएगी।

दहेजलोभी पिता-पुत्र गिरफ्तार, नव विवाहिता की थी आत्महत्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दहेज प्रताड़ना के चलते शादी के 9 माह बाद नवविवाहित ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया था। पुलिस ने जांच के बाद मामले में पति और ससुर को गिरफ्तार कर सोमवार दोपहर कोर्ट में पेश किया। जहां से दोनों को जेल भेजा गया है।

महिदपुररोड टीआई रामसिंह भाबोर ने बताया कि रतलाम जिले के ग्राम लोद पिपलोद की रहने वाली रानू कुंवर का 30 नवम्बर 2025 को ग्राम बावलिया महिदपुररोड के रहने वाले राजपालसिंह सिसौंदिया के साथ विवाह हुआ। रानू कुंवर ने 9 माह बाद 6 अगस्त 2026 को जहर खा लिया था। जिसकी अस्पताल में मौत हो गई थी। मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया गया था।

मायके और ससुराल पक्ष के बयान दर्ज करने पर सामने आया कि रानू कुंवर को शादी के बाद से पति राजपालसिंह और ससुर टीकमसिंह सिसौंदिया द्वारा मायके से दहेज में 3 लाख रुपये और चार पहिया वाहन लाने के लिये प्रताड़ित किया जाने लगा था।

जिसके चलते उसने आत्महत्या की है। जांच पूरी होने पर पति और ससुर के खिलाफ धारा 80 (2), 108, 3 (5), और 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम का प्रकरण दर्ज कर निशानदेही पर गिरफ्तार किया गया। दोनों पिता-पुत्र खेती किसानों का काम करते है। जिन्हे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

मकान मालिक के नाबालिग पुत्र ने चुराए थे आभूषण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सूने मकान में हुई चोरी का सुराग सीसीटीवी कैमरों से मिलते ही पुलिस ने नाबालिग को पकड़ा। पृष्ठताछ के बाद उसकी निशानदेही पर 90 हजार के आभूषण और 6 हजार रुपये नागद बरामद किये गये है।

जयसिंहपुरा गणेश कालोनी में सूने मकान से सोने का लॉकेट, चांदी का कंदौर और नगद राशि चोरी होने का मामला 17 सितंबर को महाकाल थाना पुलिस के पास पहुंचा था। मकान में रहने वाली ममता पति मनोज अटनैरिया ने बताया कि वह प्रायवेट काम करती है और 16 सितंबर को शहर से बाहर सारंगपुर गई थी। वापस लौटने पर चोरी का पता चला। थाना प्रभारी गगन बादल ने चोरी में शामिल बदमाशों का पता लगाने के लिये प्रधान आरक्षक शैलेष योगी, आरक्षक रशांक बनाफर को अलर्ट किया। गणेश कालोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गये। जिसमें संहदी नाबालिग दिखाई दिया, जो गणेश कालोनी का रहने वाला सामने आया। उसे पकड़ा गया और पृष्ठताछ शुरू की गई। उसने पहले पुलिस को बरगलाने का प्रयास किया उसका कहना था कि मकान उसका ही है, ममता आंटी किराये से रहती है। लेकिन फुटेज के आधार पर सदेह बना होने पर उससे मनोवैज्ञानिक तरीके से जानकारी जुटाई गई। उसने चोरी करना कबूल कर लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि नाबालिग की निशानदेही पर 10 ग्राम सोने का लॉकेट और 300 ग्राम वजनी चांदी का कंदौर बरामद किया गया है। 15 सी रुपये नगद भी मिले है। बरामद आभूषणों की कीमत 90 हजार रुपये है। मामले में नाबालिग के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज किया गया है।



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बिहार से मजदूरी के लिए आया युवक 5 दिन पहले घायल हो गया था निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किया गया था। जहां उसकी मौत हो गई परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

नीलगंगा थाना क्षेत्र में यूनिटी मॉल का निर्माण कार्य चल रहा है जहां मजदूरी के लिए बिहार का रहने वाला नवीन पिता संजय मांझी कुछ

महीना पहले आया था। 17 सितंबर को शाम के दौरान वह निर्माण कार्य में लगी मशीन से टकराने के बाद गंभीर घायल हो गया था। उसे निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

राजस्थानी महिला की धमी सांस- राजस्थान के डबला सिया में रहने वाली रुकमा बाई पति मोहनलाल को परिजन उपचार के लिए उज्जैन लेकर आए थे 19 सितंबर को भानेज रमेश चंद्र की बाइक का संतुलन बिगड़ने से गिरने पर घायल हुई थी। निजी अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हुई है। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव राजस्थान लेकर गए हैं।



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के शलाका दीर्घा संभागर आयोजित कार्यक्रम में एम पी ऑनलाइन मध्यप्रदेश द्वारा कंपोर्टे सोशल रिसॉर्सिबिलिटी (CSR) के अंतर्गत विश्वविद्यालय की चार अध्ययनशालाओं के लिए अत्याधुनिक स्मार्ट बोर्ड कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज को MP Online Limited के COO प्रशांत राठी, लोकेशन हेड राहुल पालीवाल और एस्ट्रक हेड आरती श्रीवास्तव ने भेंट किए। इस अवसर पर प्रो भारद्वाज ने इसी शैक्षणिक सत्र में विश्वविद्यालय में 70 नए स्मार्ट बोर्ड स्थापित किए जाने की घोषणा की।

कुलगुरु प्रो भारद्वाज ने MP Online की पूरी टीम का आभार

व्यक्त किया और विश्वविद्यालय व MP Online के मजबूत संबंधों की तुलना एक सेतु से की। कुलगुरु ने छात्रों के हॉस्टल जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए विद्यार्थियों की लगन और प्रतिभा की प्रशंसा की।

उन्होंने घोषणा करते हुए बताया कि इसी शैक्षणिक सत्र में

विश्वविद्यालय में 70 नए स्मार्ट बोर्ड स्थापित किए जाएंगे, ताकि हर विभाग में डिजिटल शिक्षा उपलब्ध हो सके। इसके अलावा विश्वविद्यालय में एक आधुनिक म्यूजियम भी तैयार किया जा रहा है, जिसमें तकनीक की मदद से इतिहास और बहुमूल्य धरोहरों की

पूरी जानकारी मिल सकेगी।

MP Online Limited के COO प्रशांत राठी ने AI, आधुनिकता और 5 लाख की हैकरथॉन प्रतियोगिता

कार्यक्रम में जेनरिक AI और नेक्स्ट सुपर इंटीलिजेंस AI के सही व जिम्मेदार उपयोग पर भी चर्चा करते हुए विद्यार्थियों से इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए तैयारी करने को कहा गया।

इस कार्यक्रम में टेक्निकल प्रोजेक्ट मैनेजर राघवेंद्र सिंह राजपूत, AI हेड नेहा ठकुर, सीनियर बिजनेस एनालिस्ट विशाल जाट, IT एनालिस्ट राहुल चंद्रवंशी और जिला समन्वयक अनिरुद्ध शर्मा भी उपस्थित रहे।